दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 296 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, मंगलवार 26 नवम्बर, 2024 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी दीक्षांत समारोह

प्रदेशवासियों का बेहतर स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता: भजनलाल

हेमेटोलॉजी टॉवर व साइबर नाइफ और पैट स्केन मशीन का लोकार्पण किया

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है तथा सेवा अर्थ से नहीं मन की शांति से जोड़ी जाती है। ऐसे में, चिकित्सकों की ओर से मानवता की सेवा का महती कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने मेडिकल के विद्यार्थियों से आशा व्यक्त की वे अपने चिकित्सकीय ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करेंगे। शर्मा ने कहा कि हमने इस वर्ष के बजट में 27 हजार 660 करोड़ रुपये अर्थात बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा केवल चिकित्सा व स्वास्थ्य को समर्पित किया है। प्रदेशवासियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भजनलाल शर्मा सोमवार को महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के 7 वें दीक्षांत व लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेडिकल की विभिन्न डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा की महात्मा गांधी अस्पताल चिकित्सा सेवा व मानव सेवा के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। इस अस्पताल में लोकार्पण हुए साइबर नाइफ एस7 और पैट स्कैन मशीन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच के लिए मरीजों को इसका फायदा मिलेगा। साथ ही, नवस्थापित हेमेटोलॉजी टावर में रक्त संबंधी रोगों के मरीजों को इलाज में सहायता मिलेगी।

हर नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइनः

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सकीय बुनियादी ढ़ांचे को बेहतर बना रही है, जिसमें हैल्थ सेक्टर में 3 वर्ष में 15 हजार करोड़ के कार्य करवाए जाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से मेडिकल टूरिज्म तेजी से बढ़ा है। ऐसे में, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी के माध्यम से इसको और विस्तार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को पूर्ण इलाज उपलब्ध करवाने के लिए काम कर रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 57 हजार करोड़ रुपये के निवेश आएः

भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 9 से 11 दिसम्बर में आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान समिट के तहत चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में निवेश लाया जा रहा है। इस समिट के लिए अभी तक 25 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजनिवेश पोर्टल पर चिकित्सा से जुड़े 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 300 निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 6 लाख लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मेडिकल की विभिन्न डिग्रियों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नवस्थापित हेमेटोलॉजी टॉवर व साइबर नाइफ और पैट स्केन मशीन का फीता काटकर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइसेंज (एमजीयूएमएसटी) के संस्थापक एम. एल. स्वर्णकार, एमजीयूएमएसटी के चेयरपर्सन डॉ. विकास चन्द्र स्वर्णकार सहित अधिकारी चिकित्सक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

- स्कूल शिक्षा विभाग में लगभग 20 हजार पदों पर नियुक्तियां
- 18 हजार कार्मिकों को मिली पदोन्नति

राजस्थान को शिक्षा के क्षेत्र में बनाएंगे मॉडल स्टेट: भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने और शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट घोषणाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले इसके लिए सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है और कक्षा 1 से 8 के समस्त विद्यार्थियों व 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर दी गई नियुक्तियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतरीन करने के लिए सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नति की गई है। प्राध्यापक स्कूल शिक्षा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड 2 व ग्रेड 3 तथा वरिष्ठ अध्यापक के कुल 5 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, विभिन्न संवर्गों में चयनित 515 अभ्यर्थियों को दिसम्बर माह में नियुक्तियां दे दी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को रिक्त पदों पर चरणबद्ध रूप से भर्ती करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर विद्यालयों में लगाए शिक्षक

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी व निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों और बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। शर्मा ने विद्यालयों में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने की दृष्टि से चरणबद्ध रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में भामाशाहों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विभाग को 12 हजार 400 करोड़ रूपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विभाग की ओर से रिकॉर्ड संख्या में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अतिरिक्त, विभाग की ओर से शाला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रखर राजस्थान रीडिंग कैम्पेन, पीएमश्री विद्यालय, शाला सम्बलन एप, खेल प्रतियोगिता व ई-पाठशाला कार्यक्रम सहित अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल चतुर्वेदी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया, शीर्ष पर पहुंचा

पर्थ(एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में 295 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की उम्मीदों को भी जिंदा रखा है। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अब तीन मुकाबले और जीतने होंगे। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उनका अंक प्रतिशत भी 58.33 से सुधरकर 61.11 का हो गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 13 मैचों में चौथी शिकस्त के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गया। उनका अंक प्रतिशत 57.69 का हो गया। बता दें कि, इस मैच से पहले भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने के लिए 4-0 से सीरीज जीतनी थी। पहला मैच जीतने के बाद अब टीम को तीन और मुकाबले अपने नाम करने होंगे। यह भारत की 15 मैचों में नौवीं जीत है। अब उनके खाते में 110 अंक हो गए। तीसरे स्थान पर 55.56 अंक प्रतिशत के साथ श्रीलंका है, जबकि चौथे और पांचवें पायदान पर क्रमश़ न्यूजीलैंड (54.55) और दक्षिण अफ्रीका (54.17) है।

विश्वराजसिंह मेवाड़ के राजतिलक रस्म के बाद तनाव

जयपुर टाइम्स

उदयपुर(निसं.)। पूर्व मेवाड़ राजघराने के विश्व राज सिंह मेवाड़ के सोमवार को हुए राजतिलक के रस्म के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। दरअसल राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ सिटी पैलेस में अपने कुल देवता धूणी के दर्शन के लिए जाने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही ने सिटी पैलेस में किसी के भी अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दी गई। यह रोक महाराणा मेवाड फाउंडेशन की और से लगाई गई है, जिसके चेयरमेन दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ के छोटे भाई अरविंद सिंह मेवाड़ है। इसी बात को लेकर राजपूत समाज के एक खेमे में आक्रोश व्याप्त हो गया। राजतिलक के बाद चित्तौड़गढ़ से लौटने पर सिटी पैलेस के बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और उन्होंने सिटी पैलेस में घुसने की कोशिश की। यह लोग सिटी पैलेस में विश्वराज सिंह मेवाड़ का प्रवेश कराने पर अड़े रहे। बड़ी संख्या में पुलिस बल आक्रोशित लोगों को रोकता रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू

संसद में हुडदंगबाजी करने वाले मुट्ठीभर लोगों को जनता कई बार नकार चुकी: मोदी

विपक्ष करे जनता जनार्दन की भावना का सम्मान करे

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने संसद परिसद से देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिन्हें जनता 80 बार नकार चुकी है, वो संसद का काम रोकते हैं। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को कंट्रोल करने की कोशिश की है।

मुट्ठी भर लोग करते हुड़दंगबाजी

पीएम मोदी ने कहा कि मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंगबाजी से सदन को कंट्रोल करने की कोशिश की जाती है। उनका अपना मकसद तो संसद की गतिविधि को रोकने से सफल होता नहीं। लेकिन उनकी ऐसी हरकतें देखकर जनता उन्हें नकार देती है। पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों को 80-90 बार जनता नकार चुकी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत की तरफ बहुत आशा भरी नजर से देख रहा है। इसलिए हमें संसद के समय का उपयोग वैश्विक स्तर पर भी भारत के बढ़े हुए सम्मान बल प्रदान करने में करना चाहिए। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है।

लोकतंत्र का सम्मान नहीं करता विपक्ष

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे हुड़दंगियों को जनता सजा देती है। इन्हें जनता देख रही है। ऐसे लोग लोकतंत्र का सम्मान नहीं करते। कुछ लोग न काम करते हैं न करने देते हैं। विपक्ष जनता जनार्दन की भावना का सम्मान करे।कुछ देर बाद संसद का शुरू होते ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक अदाणी मामले में चर्चा कराने पर अड़ा रहा। विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया।

यहां जानें संसद सत्र से जुड़ी पल-पल की अपडेट्स

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने अडानी के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। भारतीय सेना के थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी संसद पहुंचे। वक्फ बोर्ड बिल पर विपक्ष ने रखी बड़ी मांग, कहा कि जेपीसी की समय सीमा को बढ़ाया जाए।

हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्रवाई स्थगित

विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यसभा को 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सभापति जगदीप धनकड़ ने कहा कि अब सदन 27 नवंबर को सुबह 11 बजे एक बार फिर बैठेगी। साथ ही लोकसभा को भी 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

संभल में विवाद के बाद छाया सन्नाटा

जयपुर टाइम्स

संभल(निसं.)। जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर के विवाद में हुए बवाल से शहर सहम गया है, लोग डरे हुए हैं। जहां हर रोज करोड़ों का कारोबार होता है, वहां बवाल के दूसरे दिन सोमवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग गायब दिखे। जहां लोगों की चहल कदमी हर रोज शहर की गलियां गुलजार करती थीं, आज समझो शहर थम सा गया है। रैपिड एक्शन फोर्स के अलावा यूपी पुलिस के जवानों की उपस्थिति और उनकी चौकन्नी निगाहों से माहौल एकदम शांत दिखा। सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले शंकर चौराहे से लेकर तहसील रोड पर सोमवार की सुबह को चहल कदमी न के समान दिखाई दी। हिंदू समुदाय के लोग जरूर दोपहर बाद अपने प्रतिष्ठानों पर पहुंचे। हालांकि मुस्लिम सामुदायिक लोगों ने अपनी प्रतिष्ठानों को नहीं खोला।

बवाल के दूसरे दिन शहर में पसरा सन्नाटा

जहां बवाल हुआ, वहां कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है। यहां के जिला अस्पताल में हर रोज सबसे ज्यादा भीड़ देखी जाती है, लेकिन घटना के बाद जिला अस्पताल भी सूना नजर आया। बवाल के दूसरे दिन सिर्फ एक-दो मरीज ही दिखाई दिए। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि घटना के बाद ज्यादातर लोग डरे और सहमे हुए हैं, जो लोग ओपीडी या अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आते थे, आज नजर नहीं आए।

डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने की जयपुर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने की पहल तेज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने जयपुर को भिक्षावृत्ति मुक्त जिला बनाने के लिए अधिकारियों को समन्वय और ठोस प्रयासों के निर्देश दिए। सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास और उनके लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के साथ-साथ बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की योजना पर बल दिया।

डॉ. सोनी ने कहा कि जयपुर की गौरवशाली छवि को किसी भी कीमत पर धूमिल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आगामी 9 से 11 दिसंबर तक होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को ध्यान में रखते हुए, भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का शीघ्र पुनर्वास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने पुलिस और यातायात पुलिस को निर्देश दिया कि भिक्षावृत्ति में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना मानव सेवा संस्थान जयपुर द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 9929902320 पर दी जाए और आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। नगर निगम अधिकारियों को पुनर्वास गृहों में सफाई, शौचालयों की मरम्मत और अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, श्नी अन्नपूर्णा रसोई योजना से पुनर्वास गृहों को जोड़ने और भिखारियों को इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत रोजगार दिलाने पर जोर दिया गया।

चिकित्सा विभाग को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और पुनर्वास गृहों में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिला बाल संरक्षण इकाई को निर्देश दिया गया कि बच्चों को बाल गृहों में प्रवेश दिलाकर शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया जाए। डॉ. सोनी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का सर्वे कर आधार कार्ड और जन आधार कार्ड बनवाने तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम को ऐसे व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार दिलाने के लिए फॉलो-अप कार्यक्रम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मानव सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था, सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान और सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान सहित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों को पुनर्वास के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड सहित नगर निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

CMYK

विकास कार्यो में भामाशाहों का सहयोग आवश्यक : राधा पटेल

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। कस्बा स्थित आजाद चौक कचहरी परिसर की नवनिर्मित चार दीवारी का उद्घाटन समारोह सोमवार को विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस मौके पर सुलभ कॉम्पलैक्स निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये राधा पटेल ने भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि विकास कार्यो में भामाशाह का सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल सरकार के वश की बात नहीं है, इसमें भामाशाहों का सहयोग भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का अति शीघ्र समाधान किया जायेगा। उन्होंने चार दीवारी व गेट का फीता काटकर उद्घाटन किया एवं कॉम्पलैक्स निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बार एसोसिएशन अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर ने परिसर में पक्का पत्थर लगवाने की मांग की। जिस पर राधा पटेल ने कहा की शीघ्र ही अधिवक्ताओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुये एडवोकेट परिसर में फर्श डलवाई जायेगी। विशिष्ठ अतिथि एसडीएम बृजेश चौधरी, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, सभापति प्रतिनिधि एड. दुर्गाप्रसाद सैनी, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र सैनी रहे। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष नगर परिषद द्वारा आजाद चौक कचहरी परिसर में कई संरचनायें हटाई गई थी। जिसके बाद से ही चार दीवारी का निर्माण कार्य लम्बित था। कचहरी परिसर में उपखण्ड मुख्यालय के साथ-साथ तहसील कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कार्यालय, कोषालय व डीएसपी आदि के कार्यालय स्थित है। अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर ने जानकारी देते हुये बताया कि कचहरी परिसर में भामाशाह सराधना परिवार द्वारा स्व. बीरबल, स्व. छाजुराम मुनीम जी व स्व. बुलाराम भगतजी सुपुत्र स्व. श्योलाल सराधना की पुण्य स्मृति में चार दीवारी व गेट का निर्माण करवाया गया है। इस मौके पर एक्सईएन दीपक मीणा, एईएन मुकेश सैनी, उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, पूर्व सरपंच जयराम सिंह गुर्जर, एड. रमेश रावत, एड. कमल कसाना, एड. जितेन्द्र रावत, रामचंद्र सैनी, प्रदीप बंसल, राजपाल जाट, पवन शर्मा, सत्यवीर पायला, विक्रम कसाना, सीताराम, मुकेश यादव, श्योराम यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

उत्कृष्ट चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. आशु मीना सम्मानित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)। निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास निवासी आर्थोपेडिक एवं स्पोर्ट्स इंजरी सर्जन डॉ. आशु कुमार मीना को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय एवं फिजिकल एजुकेशन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया द्वारा रविवार को एनडीएमसी कनवेंशन सैंटर दिल्ली में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स इंजरी कॉनक्लेव पर व्याख्यान दिये जाने पर डॉ. मीना को चिकित्सा क्षेत्र

में उल्लेखनीय कार्यो के बदौलत सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में डॉ. मीना ने कई प्रकार की स्पोर्ट्स इंजरी एवं उनका ट्रीटमेंट तथा उसके रोकथाम के बारे में जानकारी दी। जिसमें लगभग देश विदेश से 1500 के आसपास खिलाड़ी, फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स कोच एवं फिजिकल ट्रेनिंग टीचर शामिल थे। डॉ. आशु कुमार मीना डॉक्टरों का गांव कहे जाने वाले गांव शुक्लावास के रहने वाले हैं और अपनी एमबीबीएस, आर्थोपेडिक की पढ़ाई सफदरजंग अस्पताल दिल्ली से पूरी करके लगभग 02 साल ऑस्ट्रेलिया में स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेंट की ट्रेनिंग लेकर, स्पोर्ट्स इंजरी सैंटर, सफदरजंग अस्पताल दिल्ली में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं और लगभग अब तक 10 हजार से ज्यादा सर्जरी का अनुभव प्राप्त कर चुके हैं।

पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। निकटवर्ती ग्राम कांसली निवासी युवा समाजसेवी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष स्व. राजाराम यादव की 07 वीं पुण्यतिथि पर उनके परिजनों एवं ग्रामीणों ने स्थानीय आशीर्वाद ब्लड बैंक, भिलाई ब्लड बैंक (छत्तीसगढ़) एवं पीताम्बर ब्लड बैंक दिल्ली में रक्तमणि अभियान के अन्तर्गत स्वैच्छिक रक्तदान कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर वेदप्रकाश शर्मा, सुनिल यादव, सतीश कुमार योगी, राजेन्द्र यादव, सत्यवीर सिंह यादव, दीपक यादव, पुरुषोत्तम यादव, सुमित यादव, राजवीर यादव, सोमदत्त यादव, बेगराज यादव, राजेंद्र सिंह यादव आदि ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस दौरान भाजपा नेता मुकेश गोयल, डॉ. सतीश यादव, सुनील यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

05 रोवर मण्डल स्तरीय राज्य पुरूस्कार रोवर अभिशंषा शिविर में लेगें भाग ,26 से 28 नवम्बर तक जयपुर में आयोजित होगा कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। यहाँ के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय के 05 रोवर मण्डल स्तरीय राज्य पुरूस्कार रोवर अभिशंषा शिविर में भाग लेगें। रोवर लीडर डॉ. शीशराम यादव व कपूर चन्द वर्मा ने बताया कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाईड के वार्षिक कार्यक्रम अनुसार मण्डल स्तरीय राज्य पुरूस्कार रोवर अभिशंषा शिविर में 05 रोवर अनमोल गोयल, दीपसिंह शेखावत, गणेश कुमार, मोहित निमोरिया व मनीष कुमावत सम्मिलित होगें।

जिन्हें सोमवार को प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह द्वारा रवाना किया गया। यह रोवर 26 से 28 नवम्बर तक राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाईड मण्डल मुख्यालय बनीपार्क जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेगें। महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. उर्मिल महलावत, डॉ. मधु नागर, सुरेश कुमार यादव, जितेन्द्र कुमार यादव, आनन्द सिंह शेखावत ने रोवर्स को शुभकामनायें प्रेषित कर मण्डल मुख्यालय के लिये रवाना किया।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली

जयपुर टाइम्स

खैरथल(निस)।। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में बजट घोषणाओं व विभागीय प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की बैठक आयोजित की गई।

जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन, बिजली विभाग के लिए ट्रांसफार्मर की उपलब्धता, तंबाकू फ्री अभियान, सड़क निर्माण कार्य, अवैध माइनिंग सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद गेट को झोलेछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध माइनिंग पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्य योजना बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जानकारी लेकर ग्रामीण ब्लॉकों में रोस्टर के अनुसार बिजली उपलब्ध कराने की निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क बनाने/रिपेयर करने की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने संविधान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में प्रातः 11¬30 बजे किया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने मंडी सेक्रेटरी से मंडी में आ रही प्याज व कपास की आवक की जानकारी भी ली। उन्होंने डीएपी की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कोऑपरेटिव एवं एग्रीकल्चर विभाग के अधिकारियों को प्रचार प्रसार कर डीएपी के बजाय सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का उपयोग के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुरूप बजट घोषणाओं की जल्द से जल्द व प्रभावी क्रियान्विति करें जिससे आमजन को बजट घोषणाओं का लाभ मिले सके।

बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, शिक्षा अधिकारी राजकुमार जैन, अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग विकास यादव, अधिशासी अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, विद्युत विभाग, नगर परिषद आयुक्त सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

घुमन्तु समुदाय (विमुक्त , घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) सहायता शिविर का आयोजन 27 नवम्बर को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार आगामी 27 नवम्बर बुधवार को स्थानीय पंचायत समिति में प्रात. 09.30 से सायं 06 बजे तक घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) सहायता शिविर का आयोजन किया जावेगा। जिसके तहत घुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों को आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं सहित राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जावेगा।

घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के आवश्यक दस्तावेज जैसे वोटर आईडी, आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जाति पहचान पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि बनाने एवं अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए शिविर लगाया जायेगा। शिविर में अधिकारियों को कार्य आवंटित किये गये है। जिनमें वोटर आईडी कार्य सहायक निर्वाचक अधिकारी तहसीलदार रामधन गुर्जर, आधार कार्ड / जनाधार कार्ड प्रोग्रामर मनोज, राशन कार्ड प्रवर्तन निरीक्षक अमित यादव, जाति प्रमाण पत्र एवं घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र व मूल निवास प्रमाण पत्र तहसीलदार रामधन गुर्जर, स्वास्थ्य- झुग्गी-झोपडियों में रहने का कारण त्वचा संबधी रोग, कुपोषण संबंधित समस्यायें, तत्काल चिकित्सा सहायता नहीं मिलने की समस्याओं को देखते हुये मुख्य दवाईयों के मेडिकल किट की उपलब्धता बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर, उक्त समुदाय के आवासहीन व्यक्तियों को निःशुक्ल भूमि आवंटन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित भूमि पर आवास की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्यवाही करवाना विकास अधिकारी/आयुक्त नगरपरिषद व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजना तथा पालनहार, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन आदि योजनाओं में पात्रता होने पर नियमानुसार जोडना व आवेदनकर्ताओं का पंजीकरण, विभिन्न कार्य व प्रमाण-पत्र जारी करने का रिकॉर्ड निर्धारित प्रपत्र में संधारित करने का कार्य सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उत्तरादायी होगें। उक्त शिविर के नोडल अधिकारी तहसीलदार कोटपूतली व सहायक नोडल अधिकारी विकास अधिकारी कोटपूतली रहेंगें।

विभागीय योजनाओं का लाभ समय पर किसानों को दिये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जावे -जिला कलक्टर

कोटपूतली(निस)।। कृषि एवं उद्यान विभाग की प्रथम समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कलक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम संयुक्त निदेशक कृषि एम. के. जैन द्वारा जिलें में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी, आदान व्यवस्था, जिले की प्रगति बाबत विवरण प्रस्तुत किया गया। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल द्वारा बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की समय पर गुणवत्तापूर्ण क्रियान्विति करने व किसानों की समस्याओं का त्वरित गति से समाधान किये जाने के निर्देश दिये।

सफलता की कहानी: दो परिवारों की लौटी खुशियां

पारिवारिक न्यायालय की पहल ओर लोक अदालत के लिए हुए राजीनामा का एक सफल प्रयास लाया रंग

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। कभी कभी छोटी-छोटी बातों पर जब दंपति अलग अलग रास्ता बना लेते हैं तो उनका जीवन गुस्से में जरूर कुछ दिन ठीक लगता होगा लेकिन समय निकलते निकलते हुए उनका जीवन भी दुश्वार बन जाता है। ऐसे में फिर से जब लगता है कि कोई उनके जीवन में आकर नई खुशी देने के लिए एक प्रेम का रंग भर जाए तो उनका ल बा जीवन खुशी और मिठास रूप में बन जाए। बस यही छोटी सोच जब धीरे-धीरे न्यायालय में पहुंच जाता है ओर वहां किसी के जीवन को खुशियों से भरने के लिए न्यायाधीश का भी एक छोटा सा प्रयास बड़ी खुशी दे जाता है ओर सोमवार को भी दो परिवारों में एक बड़ी खुशी न्यायालय की पहल ओर न्यायाधीश की समझाईश ने मीठा सा रंग भर दिया ओर दोनों परिवारों के बीच मनमुटाव दूर हो गया तथा अलग हो रहे दंपतियों को फिर से मिला दिया। जिसका परिवारजनों ने भी स्वागत किया ओर अपने संदेश में बताया कि जीवन में छोटी छोटी खटास के बीच बड़ी मिठास की जरूरत होती है ओर वह दोनों के समझ के बीच ही बड़ी मिठास है। एक प्रकरण पारिवारिक न्यायालय सं या 01, अलवर में 22 नव बर 2024 को निस्तारित प्रकरणों के बीच पहुंचा जो कि याचिका सं या 38/573/2023 युगल बनाम वनिता (13 हिं., विवाह अधिनियम), प्रार्थना पत्र सं या 41/26/2024 वनीता बनाम युगल (24 हिन्तु विवाह अधिनियम) प्रार्थना पत्र सं या 01/80/2024 वनीता बनाम युगल (125 द.प्र.रू.) अंतरिम प्रार्थना पत्र सं या 01/80/2024 वनीता बनाम युगल (125द.प्र.सं.) के साथ दायर हुआ। जहां प्रार्थी (युगल यादव) व अप्रार्थी (वनीता यादव) का विवाह 28 फरवरी 20 को स पन्न हुआ था। तत्पश्चात दोनों के मध्य विवाद पैदा हो गया। प्रार्थी युगल यादव के द्वारा अप्रार्थी वनीता यादव के विरूद्ध धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम जिस तिवादी उपस्थित हुई। इसके अतिरिक्त अप्रार्थीया वनीता यादव के द्वारा प्रार्थी

गुगल के विरूद्ध धारा 24 हिन्दु विवाह अधिनियम एवं धारा 125 द.प्र.सं. अधिनियम का प्रकरण दर्ज कराया गया। पीठासीन अधिकारी द्वारा उभय पक्षकारान के साथ रहने के लिये समझाईश की गयी। न्यायालय के द्वारा उभयपक्षों को आगे का भविष्य देखते हुए एक दूसरे के प्रति गिले शिकवों को दूर करने के लिये समझाईश की गयी जिस पर उभय पक्षकारान ने राजीनामा कर लिया तथा एक साथ रहने को तैयार हो गये। इस प्रकार उभय पक्ष के मध्य गिले-शिकवे दूर हुए तथा उनका घर टूटने से बचा। अन्तत .उभय पक्षकारान का घर बस गया तथा न्यायालय कक्ष में ही पीठासीन अधिकारी के समक्ष लौटे। उभयपक्षों ने एक दूसरे के गले में माला पहनाई। वे राजीखुशी एक साथ अपने घर पहुंचे जहां उनकी खुशियां दोगुनी हो गई ओर स्वागत के बीच परिवारजनों ने भी खुशी व्यक्त की।

वहीं दूसरी सफलता की कहानी¬ में जहां पारिवारिक न्यायालय अलवर में दायर हुआ। जिसमें 25 नव बर 2024 सोमवार को निस्तारित प्रकरण ही एक सफलता की कहानी बन गया। इस प्रकरण में प्रार्थना पत्र संख्या 38/551/2022 कपिल बनाम ममता (09 हिन्दु विवाह अधिनियम) के तहत पारिवारिक न्यायालय ने एक बड़ी पहल की। जिसमें बताया गया कि प्रार्थी कपिल सैनी व अप्रार्थी ममता सैनी का विवाह 29 अप्रेल 2017 को संपन्न हुआ था। तत्पश्चात दोनों के मध्य विवाद पैदा हो गया। प्रार्थी कपिल रौनी के द्वारा अप्रार्थी ममता सैनी के विरूद्ध धारा 09 हिन्दू विवाह अधिनियम जिसमें प्रतिवादी उपस्थित हुई। पीठासीन अधिकारी द्वारा उभय पक्षकारान के साथ रहने के लिये समझाईश की गयी। न्यायालय के द्वारा उभयपक्षों को आगे का भविष्य देखते हुए एक दूसरे के प्रति गिले शिकवों को दूर करने के लिये समझाईश की गयी, जिस पर उभय पक्षकारान ने राजीनामा कर लिया तथा एक साथ रहने को तैयार हो गये। इस प्रकार उभय पक्ष के मध्य गिले-शिकवे दूर हुए तथा उनका घर टूटने से बचा। अन्तत.उभय पक्षकारान का घर बस गया तथा न्यायालय कक्ष में ही पीठासीन अधिकारी, परामर्शदाता एवं पक्षकारों के विधिक सलाहकारों के समक्ष उभयपक्षों ने एक दूसरे के गले में माला पहनाई। वे राजीखुशी एक साथ अपने घर लौटे। उधर,घर पहुंचने के बाद परिवारजनों ने भी खुशी जताते हुए सभी के लिए संदेश दिया कि छोटी छोटी खटास को दूर रखें जिससे बड़ी मिठास की खुशी में पूरा जीवन बेहतर निकले।

अलवर में लगे नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 97 मरीज हुए लाभान्वित

नि:शुल्क मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु 7 मरीजों का हुआ चयन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। लायंस क्लब अलवर मत्स्य, अलवर जिला स्काउट एण्ड गाइड फैलोशिप, मित्तल हॉस्पिटल, आर.डी.एन.सी. मित्तल फाउंडेशन एवं जिला अन्धता निवारण समिति अलवर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर युवराज प्रताप सिंह मेमोरियल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में लगाया गया। शिविर में कुल 97 लोग लाभान्वित हुए तथा मोतियाबिंद (लेंस प्रत्यारोपण) के ऑपरेशन हेतु 7 लोगो का चयन किया गया।शिविर संयोजक एवं लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233 ई1 के रीजन 2 सांवरियाँ के रीजन चेयरपर्सन एवं स्काउट एंड गाइड फैलोशिप अलवर के जिलाध्यक्ष तथा मित्तल हॉस्पिटल के प्रशासक लायन गिरीश गुप्ता ने बताया कि यह शिविर अलवर के युवराज प्रताप सिंह मेमोरियल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में लगाया गया है क्योकि शिवाजी पार्क, बुध बिहार, हसन खा मेवात, जठियाना, ढोली धूब, राठ नगर एवं अन्य आस पास के क्षेत्र में बहुत से नेत्र रोगी है पर किसी ना किसी मजबूरी के चलते वो सामान्य चिकित्सालय में आकर नही दिखा पाते है। लायंस क्लब अलवर मत्स्य की अध्यक्ष एवं युवराज प्रताप सिंह मेमोरियल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल की मैनेजिंग डायरेक्टर एम जे एफ लायन डॉ. मंजू अग्रवाल, मित्तल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. एस.सी.मित्तल ने हर माह की 25 तारीख को शिविर करवाने की सहमती व्यक्त की तथा डॉ.मित्तल ने अपने मित्तल हॉस्पिटल से नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं स्टाफ की निःशुल्क सेवा एवं उनके आर.डी.एन.सी. मित्तल फाउंडेशन से निःशुल्क दवा वितरण करने की सहमती व्यक्त की। सोमवार को शिविर में मित्तल हॉस्पिटल, अलवर के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ लायन डॉ.प्रियंका गुप्ता एवं उनकी टीम बीना ओमप्रकाश, आर.सी.बोस सहित सभी ने अपनी नि शुल्क सेवाये प्रदान की तथा आवश्यकतानुसार मरीजो को नि शुल्क दवा भी वितरित की। अलवर जिला स्काउट गाइड के संरक्षक हरीश कालरा ने बताया कि मोतियाबिंद (लेंस प्रत्यारोपण) रोग से पीडित कुल 07 मरीजो के ऑपरेशन मित्तल हॉस्पिटल, सुभाष नगर अलवर में दिनांक 26 अक्टूबर में किये जायेंगे।

पूतली कट ओवर ब्रिज पर शुरू हुआ यातायात

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस)।। कस्बे के पूतली कट ओवर ब्रिज पर सोमवार से यातायात का आवागमन शुरू किया गया है। यह जानकारी प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय आर्य ने दी।

उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से अधूरे ओवरब्रिज के निर्माण के चलते कोटपूतली शहर में यातायात की व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। जिला प्रशासन तथा एनएचएआई ने समन्वय से काम करते हुए अधूरे ओवरब्रिज का निर्माण पूर्ण किया। जिला प्रशासन ने निरंतर साप्ताहिक समीक्षा बैठकों में एनएचएआई के प्रतिनिधियों को जिला कलक्टर द्वारा समय-समय पर निर्देश प्रदान किये गये। उसी के परिणाम स्वरूप सोमवार से ओवरब्रिज से वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से शुरू हुआ। इस दौरान एनएचएआई से सतीश सिंह, अभय शुक्ला, ओमप्रकाश चौधरी, राजकुमार, सोयब, आनंद सैनी समेत अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
26 नवंबर, 2024

संविधान रक्षक अभियान के तहत दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा संविधान के निहित मूल्य के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, पिछले एक दशक से संविधान की नींव को कमजोर करने हेतु व्यवस्थित प्रयास भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किये जा रहे हैं, इस प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा 26 नवम्बर, 2024 से 26 जनवरी, 2025 तक संविधान की रक्षा और इसके सिद्धांतों के प्रति पार्टी के समर्पण हेतु 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान चलाया जाएगा।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार सभी जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा संविधान रक्षक अभियान के तहत पॉच प्रमुख विषयों पर दस दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। 1. संविधान और समानता की लड़ाई, 2. आरक्षण की रक्षा संविधान की गारंटी, 3. भेदभाव का उन्मूलन-संविधान का मुख्य विषय, 4. गरीबों के संविधान के विरुद्ध पूंजीवादी सरकार तथा 5. लोकतंत्र और संविधान द्वारा गारंटीकृत स्वतंत्रता को बचाओ, अभियान के मुख्य बिंदु होंगे। उन्होंने बताया कि इन विषयों और मुख्य बिंदुओं को जनता के मध्य प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सभी जिला कांग्रेस कमेटियां अपने-अपने जिलों में रैलियां, घर-घर संपर्क, परिचर्चाओं के माध्यम से अभियान के रूप में प्रमुख कांग्रेसजन तथा संगठन के पदाधिकारी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनता के बीच जाकर वर्तमान केन्द्र सरकार द्वारा उत्पन्न परिस्थितियों को उजागर करेंगी। यह 60 दिवसीय संविधान रक्षक अभियान दिनांक 26 नवम्बर, 2024 से दिनांक 26 जनवरी, 2025 तक सभी जिला कांग्रेस कमेटियों चलाया जायेगा।

संविधान दिवसः वसुदेव देवनानी ने दी शुभकामनाएं, संविधान को बताया राष्ट्र का सुरक्षा कवच

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भारतीय संविधान के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने संविधान को राष्ट्र की आधारशिला और सुरक्षा कवच बताते हुए इसे समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला मार्गदर्शक करार दिया। देवनानी ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे देश की विविधता, परंपराओं और भाषाओं का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने इसे सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास की जटिलताओं के बावजूद राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गत 75 वर्षों में देश ने अनेक चुनौतियों का सामना किया, जिनमें संविधान ने आशा की किरण बनकर लोकतंत्र और न्याय के लिए मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमें संविधान की मूल भावना को सहेजते हुए मौजूदा असमानताओं को दूर करने और संवैधानिक मूल्यों को सर्वोपरि बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। देवनानी ने संविधान दिवस को केवल समारोह का अवसर न मानकर सक्रिय होकर देश के विकास और एकता के लिए समर्पित होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा लोकतंत्र, समानता और न्याय के प्रति हमारे अटूट संकल्प की प्रतीक है।

नाड़ी में डूबने से मासूम भाई-बहन की मौत, घर में छाया मातम

जयपुर टाइम्स

टोंक(निसं.)।, टोंक जिले के पलाई गांव में सोमवार को दर्दनाक हादसे में 6 वर्षीय अनमोल और 5 वर्षीय दीपक की नाड़ी में डूबने से मौत हो गई। दोनों बच्चे स्कूल नहीं गए थे, क्योंकि उनकी तबीयत खराब थी। दोपहर करीब 12ः30 बजे वे खेत पर जा रहे थे, तभी नाड़ी की पाल से पैर फिसलने के कारण दोनों गहरे पानी में गिर गए।

चिल्लाने की आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों डूब चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर बच्चों को बाहर निकाला। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। माता-पिता खेत और बकरियां चराने में व्यस्त थे, जिसके चलते बच्चों के साथ कोई बड़ा नहीं था। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है, और परिजन गहरे सदमे में हैं।

हारानी फार्म एवं अग्रवाल फार्म के मध्य द्रव्यवती नदी पर स्थित पुलिया के नवीन निर्माण हेतु होगा यातायात डायवर्जन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा टोंक रोड के क्षेत्र को मानसरोवर को जोडने वाली महारानी फार्म पुलिया पर ट्रेफिक आवागमन सुरक्षित एवं सुचारू रखने हेतु नवीन पुलिया का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। पुलिया पर निर्माण कार्य तीव्रगति से किये जाने हेतु 27 नवम्बर, 2024 (बुधवार) से आगामी 6 माह तक आवागमन निषेध रहेगा। पुलिया से आवागमन करने वाले यात्रियों के लिये वैकल्पिक मार्ग दुर्गापुरा की ओर से जाने वाले वाहनों के लिये वैकल्पिक रास्ता रिद्धी-सिद्धी या बी-2 बाईपास से द्रव्यवती नदी पार कर षिप्रा पथ की ओर जा सकेगें। इसके अलावा शिप्रा पथ से दुर्गापुरा जाने वाले वाहनों के लिये वैकल्पिक रास्ता रिद्धी-सिद्धीया बी-2 बाईपास रहेगा।

'इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना' अब 'मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना'

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में गहलोत सरकार की एक और लोकप्रिय योजना का नाम बदल दिया गया है। अब इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का नाम मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना कर दिया गया है। यह योजना शहरी बेरोजगारों को 100 दिनों का निश्चित रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस बदलाव की अधिसूचना सरकार द्वारा जारी कर दी गई है।

योजना की शुरुआत और उद्देश्य

इस योजना की शुरुआत गहलोत सरकार ने सितंबर 2022 में की थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण मनरेगा की तर्ज पर शहरी क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को रोजगार प्रदान करना है। योजना के तहत जॉब कार्ड जनाधार के माध्यम से बनाए जाते हैं और लाभार्थियों को शहरी विकास परियोजनाओं में रोजगार दिया जाता है।

पहले बदले गए योजनाओं के नाम

गहलोत सरकार ने सत्ता में आने के बाद कई योजनाओं के नाम बदले हैं।

1. *इंदिरा रसोई योजना* को जनवरी 2024 में बदलकर *अन्नपूर्णा रसोई योजना* किया गया। इसके तहत भोजन की मात्रा बढ़ाई गई लेकिन अब एक व्यक्ति को एक समय में केवल एक थाली दी जाती है।
2. *चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना* को केंद्र की आयुष्मान योजना में मर्ज कर इसका नाम *मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA)* कर दिया गया। साथ ही, सुविधा का दायरा भी कम कर दिया गया।

राजस्थान का पहला मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। स्वच्छता अभियान को नई ऊंचाई पर ले जाते हुए नगर निगम ग्रेटर जयपुर ने झालाना डूंगरी में राजस्थान का पहला कन्वेयर बेल्ट आधारित मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन स्थापित किया है। इसका उद्घाटन सोमवार को महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने किया। यह अत्याधुनिक स्टेशन मशीन टू मशीन कचरा संकलन और कॉम्पेक्शन तकनीक से लैस है, जिससे कचरा प्रबंधन तेज और कुशल होगा। स्टेशन की क्षमता 100 टन प्रति दिन (TPD) है और इसे विकसित करने में रू4.21 करोड़ की लागत आई है।

इसमें 2 कॉम्पेक्शन मशीनें, 6 कंटेनर, 3 हुक लोडर मशीनें, कन्वेयर बेल्ट सिस्टम और 1 वेटब्रिज शामिल हैं।

महापौर ने बताया कि जयपुर को स्वच्छ और पर्यावरण-हितैषी बनाने के लिए सभी जोन में इस तरह के ट्रांसफर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। आयुक्त ने इसे स्वच्छता के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया।

यह परियोजना जयपुर को स्वच्छता रैंकिंग में ऊपर ले जाने में सहायक होगी।

जयपुर में एचएलएच, उच्च रक्तचाप व हेपेटाइटिस से मौत, जीका वायरस की पुष्टि

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। जयपुर के बजाज नगर में एक 66 वर्षीय पुरुष मरीज की दुर्लभ बीमारी हीमोफैगोसाइटोसिस लिम्फो हिस्टोसाइटोसिक (एचएलएच) के साथ उच्च रक्तचाप और हेपेटाइटिस से मृत्यु हो गई। इस मरीज की जांच के दौरान संयोगवश जीका वायरस भी पाया गया। चिकित्सा विभाग ने इस स्थिति को गंभीर मानते हुए जीका वायरस के प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण के लिए प्रोएक्टिव एप्रोच अपनाने के निर्देश जारी किए हैं।निदेशालय जनस्वास्थ्य के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि जयपुर में जीका वायरस की रोकथाम के लिए सीएमएचओ को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के तहत घर-घर सर्वेक्षण, ओपीडी में संदिग्ध मामलों की निगरानी, मच्छर रोधी गतिविधियों जैसे फोगिंग, फोकल स्प्रे और नगर निगम द्वारा मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही, जीका वायरस के संभावित संपर्कों का परीक्षण भी किया जाएगा। मरीज के सेम्पल को जांच हेतु एसएमएस मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, जहां जीका वायरस की पुष्टि हुई। हालांकि, चिकित्सकों का कहना है कि रोगी में जीका के लक्षण नहीं थे, इसलिए नमूना एनआईवी पुणे भेजा गया है, ताकि स्थिति की अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जनता में जागरूकता फैलाने की भी अपील की है, ताकि जीका वायरस और अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव किया जा सके।

रूस से आये हुये प्रतिनिधिमण्डल ने ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर से की मुलाकात महापौर ने जयपुर समारोह में आने का दिया निमंत्रण

जयपुर(कासं.)।। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर से सोमवार को रूस से आये हुये प्रतिनिधिमण्डल ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर मुलाकात की। महापौर ने इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल का पगड़ी पहनाकर राजस्थानी परपंरा से स्वागत सत्कार किया साथ ही जयपुर समारोह में आने का निमंत्रण भी दिया। महापौर ने जयपुर शहर की विरासत, धरोहर, सांस्कृतिक, परम्पराओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमण्डल ने एसटीपी प्लांट का भी विजिट किया।

कृषि क्षेत्र के विकास पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी और किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी ने की चर्चा

जयपुर टाइम्स

दिल्ली/जयपुर/अजमेर(निसं.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने सोमवार को अपने दिल्ली स्थित कृषि भवन कार्यालय में राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान राज्य के कृषि क्षेत्र से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारें ÷उन्नत कृषि - समृद्ध किसान÷ के विजन पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के

लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर योजनाओं को लागू कर रही हैं।

सीआर चौधरी ने राजस्थान के किसानों की समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्नत तकनीक, जल प्रबंधन, और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से राज्य के कृषि क्षेत्र को मजबूत किया जा सकता है। भागीरथ चौधरी ने इन बिंदुओं पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार किसानों की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में किसान आयोग और केंद्र सरकार के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। भागीरथ चौधरी ने कहा कि सरकार लगातार किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए ठोस कदम उठा रही है और आने वाले समय में राजस्थान के किसानों को उन्नत सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। यह मुलाकात राजस्थान के कृषि विकास और किसानों के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है।

संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चित्रकूट स्टेडियम में निकलेगी पदयात्रा, 15 हजार से अधिक युवा बनेंगे प्रतिभागी

प्रदेश भर में आयोजित होगी प्रतियोगिताएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को जयपुर के वैशाली नगर स्थित चित्रकूट स्टेडियम में दोपहर 3 बजे पदयात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 15 हजार से अधिक युवा भाग लेगें। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जाएगा।

यह होगे आकर्षण

बैंडवादन पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेना, राजस्थान पुलिस, आरएसी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालयों द्वारा बैंडवादन की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसके साथ ही पर्यटन विभाग के सहयोग से कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा चरी नृत्य, कच्छी घोड़ी आदि की मनमोहक प्रस्तुतिया दी जाएगी।

सेल्फी बूथः पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लगवाये जाने वाले सेल्फी बूथ युवाओं में आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

महापरूषों की वेशभूषा में दिखेंगे युवाः कार्यक्रम में युवा भारत माता, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरूषों की वेशभूषा में नजर आयेंगे।

कार्यक्रम में आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों को माई भारत पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा

प्रदेश भर में आयोजित होगी प्रतियोगिताएं

संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में भारत की मुख्य उपलब्धियाँ थीम पर विकसित भारत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विधार्थी भाग ले सकेंगे।

द्वितीय चरण में जिला स्तर पर विकसित भारत थीम पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

इसी प्रकार तृतीय चरण में राज्य स्तर पर स्टार्ट अप चैंपियनशिप आयोजित होगी, प्रतियोगिता के चतुर्थ चरण में राष्ट्रीय स्तर पर 'विकसित भारत राष्ट्रीय चैंपियनशिप' भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित होगी।

यह लेंगे हिस्सा

कार्यक्रम में समस्त सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट एंड गाइड स्वयं सेवक, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड के जवान सहित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

'स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना'

कृषि विद्युत कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार बिना पेनल्टी के होगें नियमित

उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की हुई है। योजना के तहत् कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रभावी रहेगी। डिस्कॉम चेयरमैन व जयपुर डिस्कॉम की प्रबन्ध निदेशक आरती डोगरा ने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढे हुए भार को मात्र 60 रू प्रति एचपी की दर से धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित करवा सकते है। ऐसे उपभोक्ताओं से कोई भी पैनल्टी राशि नही ली जाएगी।

योजना से किसानों को फायदा

किसानों को फसल की सिंचाई के लिए पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली मिलने के साथ ही फसल को पानी देते समय ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत बढे हुए विद्युत भार के नियमित होने से डिस्कॉम द्वारा उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर किसानों को बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।

योजना के प्रावधान

यह योजना 31 दिसम्बर, 2023 तक जारी कृषि कनेक्शनों पर लागू होगी। ऐसे कृषक जो उसी कुएं पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते हैं अथवा दूसरे कुएं पर जो उसी खसरा/खेत/परिसर/मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चालाने के लिए भार बढाते हैं उन्हें इस योजना का लाभ नही दिया जाऐगा, यद्यपि पूर्व में दो मोटरें स्वीकृत हैं एवं कृषक उनके भार में वृद्धि करना चाहता है तो वह इस योजना का लाभ ले सकता है।

इसके साथ ही दो वर्ष पूर्व तक कटे हुए कृषि कनेक्शनों को यदि उपभोक्ता भार वृद्धि के साथ जुडवाना चाहता है तो वह भी इस योजना का लाभ ले सकता है। योजना का लाभ उठाने वाले कृषि उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक होने पर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि व नई 11 केवी लाईन एवं सब-स्टेशन का खर्चा डिस्कॉम द्वारा वहन किया जाऐगा।

स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू होने के दौरान यदि किसी कृषि उपभोक्ता के बढे हुए भार की वीसीआर भरी जा चुकी है तो वह भी इस योजना के प्रावधानो के अनुसार नियमित कर दी जाएगी।

उन्होने बताया कि योजना की समाप्ति 31 दिसम्बर, 2024 के उपरान्त भार सत्यापन के लिए विशेष चैंकंग अभियान चलाया जाऐगा और चैकिंग के दौरान स्वीकृत भार से अधिक भार पाए जाने पर बढे हुए भार पर कृषि नीति के अनुसार राशि वसूल की जाएगी।

कृषि विद्युत उपभोक्ताओं से अपील है कि योजना अवधि में बिना पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर अपने बढे हुए भार को नियमित करवाकर स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना का लाभ उठाऐं।

जेडीए ने दिल्ली रोड़ जोन-13 में 5.5 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जविप्रा) ने जोन-13 में दिल्ली रोड स्थित ग्राम गुणवत्ता में करीब 5.5 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त कराया। इस भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कर ग्रेवल सड़क, सीमेंट के पिल्लर और तारबंदी कर खेती की जा रही थी।

जविप्रा के उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चंद्र विश्नोई ने बताया कि ग्राम गुणवत्ता में बीएसएफ कैंप के पास खसरा नंबर 5 और 6/1828 पर स्थानीय काश्तकारों द्वारा कब्जे की सूचना मिलने पर कार्यवाही की गई। जोन-13 के राजस्व और तकनीकी स्टाफ की निशानदेही पर प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी और मजदूरों की मदद से अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर भूमि को कब्जा मुक्त करवाया।

इस कार्यवाही में स्थानीय थाना आमेर पुलिस, प्राधिकरण का प्रवर्तन दस्ता, लेबर गार्ड, और राजस्व व तकनीकी स्टाफ की प्रमुख भूमिका रही।उप महानिरीक्षक ने जानकारी दी कि जविप्रा के प्रवर्तन प्रकोष्ठ ने अक्टूबर 2024 से अब तक कुल 59.5 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अतिक्रमण या अवैध निर्माण की शिकायतें जविप्रा के नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 0141-2565800, 0141-2575252, 0141-2575151 पर या हेल्पलाइन 181 और राजस्थान संपर्क पोर्टल के जरिए दर्ज कराएं। ईमेल के माध्यम से भी शिकायतें cce.jda@rajasthan.gov.in या enforcement.jda@rajasthan.gov.in पर भेजी जा सकती हैं। इस कदम से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को रोकने में प्रशासन को मजबूती मिली है।

संपादकीय जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
26 नवंबर, 2024

संपादकीय .....

हार के बाद कांग्रेस नेताओं का वही पुराना राग- कब करेंगे विस्तार से सही विश्लेषण ?

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं का वही पुराना राग शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता इस करारी हार या यूं कहें कि महाराष्ट्र के इतिहास में मिली सबसे शर्मनाक पराजय का ठीकरा भी ईवीएम पर ही फोड़ने में जुट गए हैं। क्या वाकई ऐसा ही हुआ है? क्या वाकई ईवीएम के सहारे इतनी बड़ी जीत हासिल कर सकते हैं? या फिर कांग्रेस नेताओं ने चुनावी हार का ऐसा मजबूत बहाना ढूंढ लिया है जो हर चुनावी हार के बाद वो दोहरा देते हैं ताकि पार्टी आलाकमान, उनसे सवाल न पूछे। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी दिक्कत तो यह पैदा हो गई है कि अपने जीवन में एक भी चुनाव नहीं लड़ने वाले या फिर नहीं जीतने वाले नेताओं के साथ-साथ ऐसे नेता भी जनादेश पर और ईवीएम पर सवाल उठाने में जुटे हुए हैं, जो कई चुनाव जीत चुके हैं और जनादेश के बल पर ही लंबे समय तक सत्ता में रहे हैं।

मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य के 10 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, राज्यसभा के वर्तमान सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का 25 नवम्बर सोमवार को किया गया यह ट्वीट पढ़िए। दिग्विजय सिंह लिखते हैं, ÷महाराष्ट्र के चुनाव में वही हुआ जो भाजपा चाहती थी। उन्होंने 148 उम्मीदवार खड़े किए जिनमें से 132 जीत गये। स्ट्राइक रेट 89 प्रतिशत। वे यदि चाहेंगे तो शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) के बिना भी सरकार बना सकते हैं। यह चुनाव भाजपा ने पूरा ईवीएम के माध्यम से टारगेटेड पोलिंग बूथ्स पर मैनीपुलेट कर जीत हासिल की है। लोग कहेंगे फिर झारखंड वे कैसे हार गये? आप ही सोचिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह के लिए क्या झारखंड से महाराष्ट्र अधिक महत्वपूर्ण नहीं है? इंडिया गठबंधन को चुनाव आयोग के व्यवहार पर और ईवीएम द्वारा चुनाव कराये जाने के विषय पर तत्काल चर्चा करना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया से जुड़ा हुआ कोई भी समझदार नेता या कार्यकर्ता, इतना सक्षम होता है कि वह अपने-अपने बूथ पर होने वाली वोटिंग का सटीक नतीजा बता सकता है। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस नेताओं को सच का अहसास नहीं होगा, अपने आप में पूरी तरह से गलत होगा। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए कांग्रेस नेता जो तर्क देते हैं। उसे राहुल गांधी भी स्वीकार कर लेते हैं या उन्हें करना पड़ता है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी राहुल गांधी ने अप्रत्याशित नतीजों का विश्लेषण करने की बात कही थी और राहुल गांधी के उसी ट्वीट को उनकी सोशल मीडिया टीम ने थोड़ा हेर-फेर कर महाराष्ट्र चुनाव में मिली हार के बाद भी चिपका दिया। यानी या तो राहुल गांधी हार के विश्लेषण को लेकर गंभीर नहीं है या फिर वरिष्ठ नेताओं की टोली उनपर इस कदर हावी हो गई है कि राहुल गांधी कुछ कर ही नहीं पा रहे हैं। दोनों ही सूरतों में यह कांग्रेस, विपक्ष और लोकतंत्र तीनों के लिए अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती है।

विधानसभा के चुनावों के निहितार्थ

हर राज्य की अपनी अहमियत है। लेकिन राजनीतिक लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा महत्व अगर किसी राज्य का है तो वह महाराष्ट्र है। देश की आर्थिक राजधानी इस राज्य की राजधानी है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के मुकाबले 48 सीटों के साथ दूसरा बड़ा राज्य महाराष्ट्र है। राजनीतिक हलकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी होने के लिए भारतीय जनता पार्टी सदा विपक्षी निशाने पर रहती है, उस संघ का मुख्यालय भी इसी राज्य में है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों का असर दूरगामी होना स्वाभाविक है। मराठी मानुष ने जो जनादेश दिया है, उसका असर देश की राजनीति पर तो पड़ेगा ही, अर्थनीति पर भी पड़ेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी कई बदलाव नजर आ सकते हैं। देश की राजनीति पर झारखंड के चुनाव नतीजों का भी पड़ना ही है। इसका असर दिखने लगा है। इंडिया गठबंधन की अगुआई राहुल गांधी से छीनने को लेकर आवाज उठने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से मांग आ भी गई है कि मोदी को चुनौती देने के लिए जरूरी है कि इंडिया गठबंधन की कमान राहुल गांधी की बजाय ममता बनर्जी को दी जाय।

महाराष्ट्र के क्षत्रप शरद पवार को लेकर हाल ही में कहा जाने लगा था कि उनके बिना महाराष्ट्र की सत्ता की कल्पना नहीं की जा सकती। इस धारणा को ढाई साल पहले बीजेपी ने तोड़ दिया था। एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना में टूट हुई और सबसे ज्यादा 104 विधायक होने के बावजूद बीजेपी ने अपने कद्दावर नेता देवेंद्र फणनवीस को शिंदे का सहयोगी बनने के लिए राजी कर लिया। इस सरकार के कार्यकाल में हुआ लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुआई वाली महायुति को समर्थन नहीं मिला। बीजेपी और शिवसेना-शिंदे- दोनों को लोकसभा सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन इससे बीजेपी और शिवसेना दोनों ने सीख ली। बीजेपी ने अपने पारंपरिक गढ़ विदर्भ पर फोकस तो किया ही, गैर मराठा वोटरों पर भी अपना ध्यान लगाया। मराठवाड़ा में शिवसेना शिंदे और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया। नतीजा सामने है। पार्टी ने इस बीच एक काम और किया। उसने माझी लड़की बहीण योजना लागू की। इसके तहत 21 से 65 साल तक की उम्र वाली पात्र महिलाओं को पंद्रह सौ रूपए महीने दिए जाने लगे हैं। राज्य की करीब एक

करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगा है। इसका फायदा महाराष्ट्र की महायुति सरकार को हुआ है। माना जा रहा है कि राज्य की महिलाओं ने महायुति की अगुआई वाली सरकार को अपना समर्थन दिया है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह कई अन्य राज्य सरकारें महिलाओं को आर्थिक सहयोग देना शुरू कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र के नतीजों के बाद इस चलन को और बढ़ावा मिलेगा। बाकी राज्य सरकारें भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाएंगी और महिला वोटरों को रिझाने की कोशिश करेंगी।

हालांकि झारखंड में एनडीए का यह फॉर्मूला नहीं चल पाया है। झारखंड की 81 में से 68 सीटों पर पुरूषों की तुलना में साढ़े पांच लाख से ज्यादा महिला वोटरों ने मतदान किया है। बीजेपी वहां के लिए ढाई हजार रूपए की माई सम्मान योजना का प्रस्ताव लेकर आई थी. लेकिन वहां की महिलाओं ने हेमंत सोरेन की गोगो दीदी योजना पर ही ज्यादा भरोसा जताया।

महाराष्ट्र के चुनावों का असर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में 13 सीटें जीतकर बड़ा दल बनने के बाद पार्टी ने ग्रेस सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। इसके चलते पार्टी में गुरूर दिखने लगा। विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे में पार्टी खुद को सबसे आगे रखने और सहयोगी दलों को पीछे रखने की रणनीति पर काम करने लगी। चुनाव नतीजे आने से पहले ही मुख्यमंत्री पद को लेकर जिस तरह खींचतान सामने आई, उससे साफ था कि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं था। इसका असर चुनाव नतीजों पर साफ नजर आ रहा है। इसकी तुलना में झारखंड में पार्टी ने हेमंत की सहयोगी की भूमिका में रखा तो वहां के नतीजे अलग तरीके से आए। साफ है कि पार्टी जहां खुद का वर्चस्व रखती है, वहां उसे मुंह की खानी पड़ रही है, लेकिन जहां वह सहयोगी दलों की बैसाखी पर आगे बढ़ने की कोशिश करती है, उसे फायदा होता है। साफ है कि आने वाले दिनों में पार्टी को इस नजरिए से सोचना होगा। महाराष्ट्र के नतीजों से दिल्ली में कुछ महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी उत्साह में होगी। कांग्रेस जहां उसके साथ जाने का दबाव बना सकती है, वहीं आम आदमी पार्टी कुछ और मुफ्तिया वादों के साथ मैदान में मजबूती से उतर सकती है। महाराष्ट्र के चुनावों में असली उत्तराधिकारी कौन का सवाल भी हावी था। शिवसेना को दोनों धड़े हों या राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों खेमे, सभी खुद को ही असली शिवसेना और असली एनसीपी बता रहे थे। इस चुनाव में बेशक अजित पवार के खेमे की सीटें कम हुई हैं, लेकिन शरद पवार की एनसीपी से उसके ज्यादा ही विधायक जीते हैं। इसी तरह एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सीटें बढ़ी हैं, जबकि हिंदुत्ववादी की बजाय सेकुलर चोला धारण करने वाले उद्धव ठाकरे की शिवसेना पिछड़ गई है। अब इन नतीजों के आधार पर अजित पवार की पार्टी असली एनसीपी होने का दावा करेगी तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी खुद को असली और बाला साहब ठाकरे की असल उत्तराधिकारी बताएगी। ऐसे में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टियों के वजूद को बचाए रखने का संघर्ष होगा। सत्तावादी राजनीति में विधायक लंबे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकते। आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे का विधायक दल टूटे तो हैरत नहीं होनी चाहिए।

शरद पवार का कहना है कि कटेंगे तो बंटेंगे का असर भी महाराष्ट्र के चुनावों में दिखा। बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन के खिलाफ राज्य का 11 फीसद मुस्लिम वोट बैंक एकजुट हुआ। इसकी वजह से हिंदू वोट बैंक महायुति की ओर गोलबंद हुआ। वैसे जानकारों का मानना है कि मराठा आरक्षण की मांग रखने वाले मनोज जरांगे का पहले चुनाव लड़ने का ऐलान करना और बाद में शरद पवार आदि के दबाव में चुनाव से पैर पीछे खींचना भी महायुति की सफलता की वजह बना। इससे मनोज जरांगे की साख कमजोर हुई और मराठा वोटर महायुति की ओर लौट आया, जो लोकसभा चुनाव के दौरान उससे दूर हो गया था। महाराष्ट्र के नतीजों से महायुति की अंदरूनी राजनीति पर भी असर पड़ने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र को बिहार की राह पर ले चलना नहीं चाहेगी। ऐसे संकेत उसने दिए भी हैं। यानी वह देवेंद्र फणनवीस को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश करेगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या एकनाथ शिंदे आसानी से मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे। इस मसले पर महायुति में तनाव दिख सकता है। जिसे खत्म करने के लिए बीजेपी आलाकमान को ऊर्जा लगानी पड़ेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मसले पर राजनीतिक ऊंट किस करवट बैठता है।

झारखंड के नतीजों ने एक रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के गठन के बाद कोई भी सरकार दोबारा सत्ता में नहीं आ पाई है। हेमंत सोरेन यह रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहे हैं। इससे उनका राजनीतिक कद बढ़ेगा। इन नतीजों ने साबित किया है कि उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को झारखंड की जनता ने स्वीकार नहीं किया। झारखंड की कमान बीजेपी की ओर से हिमंत विश्वशर्मा और शिवराज सिंह चौहान को दी गई थी। उत्तर पूर्व से बाहर हिमंत को पार्टी की ओर से पहला असाइनमेंट मिला था। इसमें अगर वे सफल होते तो उनकी राष्ट्रव्यापी छवि बनती। लेकिन वे इसमें नाकाम रहे हैं।

समसामयिक

महिला मतदाताओं की मुखरता से बदल रही चुनावी नतीजों की तस्वीर

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही। मध्यप्रदेश से निकली लाड़ली बहना महाराष्ट्र तक आते आते माझी लाड़की बहना योजना ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल ही बदल गया। योजना शुरु करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वहीं महाअघाड़ी गठबंधन महिलाओं से जुड़ी इस योजना को समझने में ही देरी कर दी और भले ही बाद में चुनाव घोषणा पत्र या यों कहे कि चुनावी वादों में अधिक पैसा देने का वादा भी किया पर महिलाओं का विष्वास नहीं जीत पाएं। परिणाम सामने हैं जो मिल रहा है वह बढ़कर मिलेगा इस पर महिलाओं ने अधिक विश्वास जताया। सही मायने में देखा जाए तो महिला शक्ति गेम चेंजर बन कर सामने आई। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ है सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब

राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने लगे हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीद्वारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थी वहीं गत 2024 के आमचुनाव में 74 महिला सांसद चुन कर आई। हांलाकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है। इस बार महाराष्ट्र चुनावों में 50 महिलाओं को टिकट दिए गए और 21 महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनी है।

सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीद्वारी भी जताती है तो चुनाव केंपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराती है। दूसरी और मतदान में भी आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि

अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुटे हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसकों दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि माझी लड़की बहना योजना में 2.50 लाख आय वाली 18 से 60 साल की महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया। इससे यह साफ हो जाता है कि यह वर्ग कमजोर आर्थिक आय वाली महिलाओं का है। यहां साफ हो जाता है कि महिलाओं का यह वर्ग वो वर्ग है जिसके बारें में यह माना जाता है कि इस वर्ग में महिलाएं पुरुषों के निर्णयों पर अधिक निर्भर होती है पर महाराष्ट्र और अन्य प्रदेशों के चुनावी नतीजों से यह साफ हो गया है कि महिलाएं पुरुषों की हां में हां ना मिलाकर स्वयं निर्णय लेने लगी है और उसीसे ताजा नतीजें रुबरु कराते हैं।

खैर यह अलग बात है, पर यह साफ हो चुका है कि देश के लोकतंत्र के इस महापर्व में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही है। अब महिला मतदाताओं को कमतर नहीं आंका जा सकता। महिला सशक्तिकरण की दिषा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक प्रयास कहा जा सकता है तो दूसरी और दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आ रही हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि भविष्य के चुनावों में भी राजनीतिक दलों को सत्ता का स्वाद चखना है तो निगाहें महिला मतदाताओं की और रखनी ही होगी।

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही।

झारखंड विधानसभा चुनाव: भाजपा का दांव पूरी तरह फेल हो गया

झारखंड विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को धता बताते हुए झामुमो तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। बता दें कि इस बार के झारखंड के चुनाव में आइएनडीआइए (इंडिया) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) गठबंधनों के बीच सीधी और जबर्दस्त टक्कर हुई। कांटे की इस टक्कर में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली 'इंडिया' गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सबसे ज्यादा झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) कुल 34 सीटें जीत कर सबसे आगे रही। वहीं, कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 04 और कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट-लेनिनिस्ट लिबरेशन) यानी सीपीआई (एमएलएल) ने 02 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त की। इस प्रकार देखा जाए तो इंडिया गठबंधन ने राज्य की कुल 81 में से 56 सीटें प्राप्त कर न केवल अपनी सरकार बचा ली है, बल्कि जबर्दस्त वापसी की है। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन को झारखंड चुनाव में एक बार फिर भारी नुकसान उठाना पड़ा है। बता दें कि एनडीए गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोकतांत्रिक जनता पार्टी (लोजपा) रामविलास ने एक-एक सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता पाई है। तात्पर्य यह कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 24 सीटें मिली हैं।

हेमंत सोरेन ने राजनीतिक परिपक्वता दिखाई

इससे पहले एग्जिट पोल में राज्य में बीजेपी और उसकी अगुवाई वाले एनडीए को स्पष्ट तौर पर विजेता के रूप में दिखाया जा रहा था, लेकिन परिणाम बताते हैं कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने राज्य की जनता को अपने वादों और दावों के प्रति लुभाने में सफलता प्राप्त करते हुए बंपर जीत हासिल की। वहीं, दूसरी ओर बीजेपी अपनी सारी ताकत झोंकने के बाद भी आदिवासियों समेत राज्य की जनता को इंप्रैस नहीं कर पाई। बता दें कि भाजपा ने झारखंड में चुनावों से पहले 'लव जिहाद' तथा 'लैंड जिहाद' का मुद्दा बेहद जोर-शोर से उठाया था। गौरतलब है कि भाजपा की ओर से की गई हिंदू और मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश के बीच हेमंत सोरेन बिल्कुल शांत और उकसाने वाले बयानों से बचते दिखे। यह निश्चित रूप से हेमंत सोरेन की राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। हालांकि, उनकी ही पार्टी के कुछ नेता और इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के कई नेता कई मौके पर लगातार हिंदू-मुसलमान करते अवश्य देखे और सुने गए। इस प्रकार, राज्य में पूरे चुनावी काल में हिंदू-मुसलमान के नाम पर विष-वमन होता रहा।

भाजपा का दांव पूरी तरह फेल हो गया

इन सबके बीच भाजपा का एजेंडा झारखंड में पूरी तरह से फेल होता हुआ दिखाई दिया, जबकि भाजपा ने राज्य में चुनाव प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ने ही लाइव रैलियां कीं। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से लेकर तमाम स्टार प्रचारकों ने कमान संभाल रखी थी। यहां तक कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य में दो महीने तक जमे रहे, जिन्होंने बांग्लादेश से 'घुसपैठियों' को आने देने के लिए सोरेन सरकार पर जोरदार हमले किए। गौरतलब है कि भाजपा ने अपनी रैलियों में झारखंड की 'माटी, बेटी और रोटी' का मुद्दा उठाया। इस मामले में भाजपा के नेताओं ने हेमंत सोरेन की सरकार पर आरोप लगाए कि राज्य में 'माटी, बेटी और रोटी' खतरे में हैं। यहां तक कि पार्टी की ओर से जेएमएम के विरूद्ध ट्रंप कार्ड के तौर पर चंपई सोरेन और सीता सोरेन को इस्तेमाल करने की कोशिश भी की गई, लेकिन भाजपा का यह दांव भी नहीं चला। इस प्रकार देखा जाए तो झारखंड में भाजपा का 'माटी, बेटी और रोटी' तथा 'घुसपैठिया' का मुद्दा उसकी अपेक्षा के अनुरूप नहीं चल पाया।

अनिर्णय की स्थिति भी कारण

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर कुछ नए और पुराने नेताओं को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि राज्य के भावी मुख्यमंत्री के रूप में किसे नेतृत्व सौंपा जाए- नए, तेज-तर्रार और युवा नेता को अथवा पुराने, स्थापित और मजे हुए नेता को। ऐसा बताया जाता है कि पार्टी के भीतर कलह और मनमुटाव जारी रहने के कारण इस बात पर एक राय नहीं बन पाई कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उसकी ओर से किस नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया जाए। यही कारण है कि बड़ी संख्या में राज्य की गैर-आदिवासी जनता ने भी उसे नकार दिया। बता दें कि किसी भी कार्य में अनिर्णय की स्थिति गलत या बुरे निर्णय से भी अधिक घातक मानी जाती है। राजनीति में तो यह बिल्कुल ही नहीं चलने वाली।

रैपर हनुमानकाइंड की डेब्यू फिल्म राइफल क्लब की रिलीज डेट आई सामने, अनुराग कश्यप भी दिखाएंगे कमाल

लंबे इंतजार के बाद बहुप्रतीक्षित फिल्म राइफल क्लब की रिलीज डेट सामने आ गई है। फिल्म निर्माता आशिक अबू ने आधिकारिक तौर पर इसका एलान करने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट का सहारा लिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की पूरी कास्ट का एक पोस्टर साझा किया। साथ ही बताया कि राइफल क्लब 19 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

राइफल क्लब की रिलीज से उठा पर्दा

आशिक अबू ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की टीम का एक पोस्टर साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, राइफल क्लब मूवी 19 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में। पोस्टर में विजयराघवन, दर्शन राजेंद्रन, विंसी एलोशियस, सुरेश कृष्णा, सुरभि लक्ष्मी, वाणी विश्वनाथ और विष्णु अगस्त्य शामिल हैं। दिलेश पोथन और मुख्य अभिनेत्री, उन्नीमाया प्रसाद को एक ईसाई दूल्हा और दुल्हन के रूप में दो कुत्तों को पकड़े हुए दिखाया गया है, जबकि फ्रेम में परिवार के अन्य सदस्य शराब के गिलास पकड़े हुए हैं।

रैपर हनुमानकाइंड का अभिनय डेब्यू

बिग डॉग्स के साथ ग्लोबल म्यूजिक चार्ट में हिस्सा बनाने वाले रैपर हनुमानकाइंड उर्फ सूरज चेरुकट अब अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वह राइफल क्लब में भीरा नाम के शख्स का किरदार निभाने वाले हैं। उनके किरदार पोस्टर ने पहले से ही उत्साह पैदा किया हुआ है, जिसमें उन्हें बंदूक लहराते हुए दिखाया गया है।

अनुराग कश्यप भी हैं फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के जाने-माने निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप भी राइफल क्लब में नजर आने वाले हैं। फिल्म में निर्देशक अनुराग कश्यप ने हनुमानकाइंड के पिता का किरदार निभाया है। बता दें कि राइफल क्लब के जरिए अनुराग कश्यप मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशिक अबू ने किया है, जो पहले वायरस, डैडी कूल, साल्ट एन पेपर, 22 फीमेल कोट्टायम, इडुक्की गोल्ड और मायानाधि जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

सूर्या 45 में तृषा संग रोमांस का तड़का लगाएंगे सूर्या

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। निर्माताओं ने सूर्या 45 का पोस्टर जारी करते हुए जानकारी दी थी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आर बालाजी संभालेंगे। वहीं, अब अभिनेता की फिल्म पर नई जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री तृषा कृष्णन को कथित तौर पर सूर्या के आगामी प्रोजेक्ट के लिए साइन किया गया है।

दूसरी बाद साथ काम करेंगे सूर्या-तृषा

सूर्या 45 में एक बार फिर सूर्या और तृषा की जोड़ी बनेगी। यह लगभग दो दशकों के बाद उनका दूसरा सहयोग है। उन्होंने आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में साथ काम किया था। इस नई परियोजना का नाम अस्थायी रूप से सूर्या 45 रखा गया है, जिसका निर्माण ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स द्वारा किया जाएगा।

एआर रहमान तैयार करेंगे संगीत

प्रोडक्शन हाउस ने 20 नवंबर को इस सहयोग की घोषणा की। तृषा की पूर्व कमिटमेंट के कारण फिल्म की शूटिंग कोयंबटूर में नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान द्वारा तैयार किया जाएगा। इस फिल्म में अब सूर्या और तृषा को एक साथ देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। हालांकि, तृषा के फिल्म के कलाकारों में शामिल होने की खबरों पर आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

कंगुवा ऑडियो लॉन्च के मौके पर आरजे बालाजी ने सूर्या को निर्देशित करने के बारे में अपनी उत्सुकता साझा की थी, जिनके वे कॉलेज के दिनों से प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूर्या का उन पर और स्क्रिप्ट पर भरोसा ही इस सहयोग का कारण बना, जबकि उन्होंने अन्य निर्देशकों को मना कर दिया था। कंगुवा को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद आरजे बालाजी की फिल्म के लिए काफी उत्सुकता है।

सूर्या की आगामी फिल्म

वहीं, बात करें सूर्या की फिल्मों के बारे में तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। वहीं, अब सूर्या की अगली रिलीज कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक तमिल फिल्म होगी, जो अभिनेता की 44वीं फिल्म होगी।

राम पोथिनेनी की नई फिल्म में भाग्यश्री बोरसे को चुना गया

राम पोथिनेनी बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। लगातार पांच फिल्में फ्लॉप होने के बाद अभिनेता टिकट खिड़की पर सफलता पाने के लिए पहले से कहीं ज्यादा बेताब हैं। ऐसे समय में जब अभिनेता कुछ राहत की तलाश में हैं, उन्होंने मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी फेम निर्देशक पी महेश बाबू के साथ एक नई फिल्म साइन की है।

महेश बाबू पी ने आखिरी बार अनुष्का शेट्टी अभिनीत मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी का निर्देशन किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता थी। इस नए प्रोजेक्ट की एक विशेषता यह है कि इसे मशहूर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा पर्याप्त बजट पर बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है और निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म के लिए भाग्यश्री बोरसे को चुना गया है, जो आखिरी बार रवि तेजा के साथ मिस्टर बच्चन में नजर आई थीं। राम मेकओवर के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार अभिनेता देहाती बदलाव से गुजरेंगे, जिसे देख पता चलता है कि फिल्म एक देहाती ड्रामा होगी। काफी समय हो गया है, जब राम किसी गांव के नाटक का हिस्सा बने हैं और शायद यही वजह है कि उन्होंने एक देसी कहानी को चुना। प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवीज ने 19 नवंबर को नई फिल्म के लॉन्च की घोषणा की है। उन्होंने आधिकारिक हैंडल एक्स पर इसे पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा, अनटोल्ड इमोशन्स को फिल्माने की खूबसूरत यात्रा की शुरुआत। मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी की सुपर सफलता से उत्साहित निर्देशक पी महेश ने कथित तौर पर एक देहाती ड्रामा लिखा है, जिसमें एक्शन की भरमार है। यह एक चरित्र-आधारित फिल्म है और राम इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राम पहले त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक फिल्म करने वाले थे, लेकिन बजट के मुद्दों और रचनात्मक पहलुओं के कारण इस परियोजना को रोक दिया गया, तब से अभिनेता ने अपना ध्यान महेश की फिल्म पर केंद्रित कर लिया है।

खुद को चुनौती देने जा रही हूं...

माधुरी दीक्षित को हाल ही में अनीस बज्मी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ देखा गया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच एक नए इंटरव्यू में माधुरी ने एक नए प्रोजेक्ट का संकेत देते हुए कहा कि वह इस साल खुद को चुनौती देंगी। अभिनेत्री के एलान ने उनके प्रशंसकों को काफी ज्यादा उत्साहित कर दिया है। एक हालिया इंटरव्यू में माधुरी दीक्षित ने साझा किया कि उनका अगला प्रोजेक्ट उनके दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। अभिनेत्री ने कहा, मैं इस साल खुद को चुनौती देने जा रही हूं। मैं जल्द ही अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने वाली हूं। यह कुछ बहुत अलग और चुनौतीपूर्ण है, कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। इसी दौरान शाहरुख खान के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर पर प्रतिक्रिया देते हुए, माधुरी ने कोयला की शूटिंग के दिनों को याद किया। इससे पहले दोनों ने फिल्म अंजाम में स्क्रीन स्पेस साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया, मैंने शाहरुख से कहा कि हम किस तरह की फिल्में कर रहे हैं? हम या तो एक-दूसरे को मार रहे हैं या खलनायकों से दूर भाग रहे हैं। हम बहुत गंदे और खून से सने कपड़ों वाले किरदारों में हैं। हमे एक साफ सुथरी, खूबसूरत और रोमांटिक फिल्म करनी चाहिए। इसी के बाद दिल तो पागल है बनी।

खलनायक बन धमाल मचा सकते हैं जयम रवि

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधा कोंगरा की पिछली फिल्म सोरारई पोटरु, ओटीटी पर काफी बड़ी हिट रही थी। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार सूर्या ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। इस फिल्म के बाद सूर्या के सुधा की एक और पीरियड एक्शन फिल्म, पूरननूरु की घोषणा की गई थी, लेकिन बाद में सूर्या इससे बाहर हो गए थे। इसके बाद से ये फिल्म लगातार कलाकारों के बाहर होने की वजह से चर्चा में रही। एक बार फिर ये फिल्म चर्चाओं में शामिल हो गई है। कई सितारों के फिल्म से बाहर हो जाने के बाद अब ये चर्चा हो रही है कि फिल्म में जयम रवि बतौर खलनायक नजर आने की रेस में सबसे आगे हैं, जिसे पहले दुलकर सलमान निभाने वाले थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रवि इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए सहमत भी हो चुके हैं। इसके अलावा फिल्म में श्रीलीला के मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने की भी अटकलें लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म 1960 के दशक की हिंदी विरोधी आंदोलन से संबंधित है।

बता दें कि कंगुवा अभिनेता सूर्या के साथ फिल्म के अन्य कलाकारों का खुलासा करते हुए एक मोशन पोस्टर भी जारी किया गया था, लेकिन बाद में सूर्या ने चौंकाते हुए इससे बाहर हो गए। इसके बाद फिल्म को अमरण अभिनेता शिवकार्तिकेयन के साथ दोबारा से शुरू किया गया। इस फिल्म में फिर मलयालम फिल्मों के मशहूर अभिनेता दुलकर सलमान, नाजरिया और विजय वर्मा भी शामिल हुए, लेकिन बाद में वो भी इससे बाहर हो गए।

इम्तियाज अली ने कास्टिंग काउच पर कह दी बड़ी बात

मशहूर फिल्मकार इम्तियाज अली ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच से जुड़े मुद्दे पर हाल ही में अपनी राय जाहिर की। गोवा में आयोजित इफ्फी (इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया) के दौरान एक साक्षात्कार में उन्होंने इस धारणा पर अपने विचार रखा कि क्या व्यक्तिगत सीमाओं को पार करके फिल्म इंडस्ट्री में सफलता प्राप्त की जा सकती है? उन्होंने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री में निर्देशक के तौर पर 15-20 साल से काम कर रहा हूं, इसलिए मैंने कास्टिंग काउच के बारे में काफी सुना है। एक लड़की आती है, डरती है और महसूस करती है कि उसे समझौता करना पड़ेगा। लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि अगर कोई लड़की या महिला न नहीं कह पाती है, तो यह जरूरी नहीं कि उसका करियर आगे बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा नहीं है कि अगर कोई लड़की समझौता कर ले, तो उसे कोई रोल जरूर मिल जाएगा।

उन्होंने आगे कहा, अगर कोई लड़की नहीं कह सकती है और खुद को सम्मान देती है, तो तभी दूसरे भी उसका सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कास्टिंग से संबंधित निर्णय अक्सर इस बात पर आधारित होते हैं कि क्या फिल्मकार उस व्यक्ति को गंभीरता से ले रहे हैं। इम्तियाज ने कहा, हम जैसे लोग अक्सर यह सोचते हैं कि क्या हमें उस व्यक्ति को गंभीरता से लेना चाहिए या नहीं। हमें उसे कास्ट करने से पहले उसका सम्मान करना चाहिए।

समझौते से नहीं मिलती सफलता

इम्तियाज अली आगे अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, समझौता करने से फिल्म इंडस्ट्री में सफलता मिलती है, यह एक मिथक है और इसे समझना जरूरी है। मेरे अनुभव में तो यह बिल्कुल उल्टा है। जो लोग समझौता करते हैं, वे अक्सर अपने करियर से भी समझौता कर लेते हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी फिल्म अमर सिंह चमकीला हाल ही में रिलीज हुई थी। इसमें दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा मुख्य भूमिका में नजर आए थे। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

जब जैकलीन फर्नांडीज ने सलमान खान को बताया परिवार, अब किक 2 में फिर से दिखेगी जोड़ी

जैकलीन फर्नांडीज एक बार फिर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ बहुप्रतीक्षित किक 2 में नजर आने वाली हैं। दोनों की जोड़ी को पर्दे पर पसंद करने वाले फैंस इस खबर से काफी ज्यादा रोमांचित हैं। बता दें कि एक समय जैकलीन ने सलमान खान को अपना परिवार बताते हुए कहा था कि वो उनके लिए कुछ भी कर सकती हैं। एक इंटरव्यू में, जैकलीन फर्नांडीज ने बताया था कि कैसे सलमान खान उनके लिए एक गुरु से परिवार बन गए। उन्होंने कहा था कि वह फिल्मों के चुनाव को लेकर आश्वस्त नहीं थीं, लेकिन तब सलमान के साथ किक में काम करना उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने कहा था कि फिल्म किक से उन दोनों के बीच का रिश्ता काफी मजबूत हुआ। बताते चलें कि सलमान किक 2 के अलावा अपनी आगामी फिल्म सिकंदर में भी नजर आने वाले हैं।

गैजेट्स न बिगाड़ दें सेहत

इन दिनों हम हर वक्त किसी न किसी गैजेट से खुद को घिरा पाते हैं। ये गैजेट्स भले ही हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन हम इनकी वजह से कब बीमारियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इनके प्रभाव से कैसे करें अपना बचाव, बता रहे हैं पंकज घिल्डियाल

कंप्यूटर/लैपटॉप

आज कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करना मजबूरी भी है और कहीं-कहीं लत भी। इसके अधिक इस्तेमाल के कारण कई बार सेहत पर इसके दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जैसे शारीरिक सक्रियता का कम होना, नींद में कमी या स्लीप पैटर्न का गड़बड़ा जाना आदि। वहीं लैपटॉप के कारण गर्दन में दर्द एक बड़ी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। की-बोर्ड के नजदीक होने से झुकना पड़ता है। इससे गर्दन में खिंचाव होता है, जिससे दर्द होता है। कभी-कभी डिस्क भी खिसक जाती है।

टेलीविजन और लाइफ स्टाइल

क्या बच्चे, क्या बड़े, लोग घंटों टेलीविजन के सामने बैठ कर समय व्यतीत करते हैं। एक लेख के अनुसार लोगों द्वारा हर घंटे देखे गये टीवी से उनका जीवनकाल 22 सेकंड कम हो जाता है। हर भारतीय एक सप्ताह में औसतन 15-20 घंटे टीवी देखता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि टीवी के सामने हर रोज दो घंटे बिताने से टाइप 2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

वाईफाई/सेलफोन

अनेक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरलेस उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें कैंसर का कारण बनती हैं और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। स्वीडन में हुए एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग 20 वर्ष से कम उम्र में मोबाइल फोन का उपयोग शुरू कर देते हैं, उनमें ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। युवा आमतौर पर मोबाइल फोन से संगीत का आनंद उठाते हैं, लेकिन 85 डेसिबल से अधिक तेज ध्वनि किसी की भी सुनने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। स्टीरियो हेडफोन से निकलने वाली तरंगें 100 डेसिबल तक पहुंच जाती हैं।

वीडियो गेम

वीडियो गेम में बच्चों का जबरदस्त क्रेज है। घंटों वीडियो से चिपके रहना सामान्य बात है। अधिक समय तक वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। बच्चे जहां अधिक आक्रामक हो रहे हैं, वहीं दोस्तों से झगड़ना, आंखों की रोशनी कम होना, मोटापा बढ़ना आदि बहुत से प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

गुस्सैल न हो जाए आपका स्वभाव

लंदन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग कंप्यूटर पर 4 घंटे या उससे ज्यादा समय बिताते हैं, उन्हें अन्य लोगों के मुकाबले दिल की समस्या होने की आशंका 125 फीसदी अधिक रहती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने वालों को मृत्यु का खतरा अन्य लोगों के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा होता है। इसी तरह अगर आप रोजाना मोबाइल पर 4 घंटे से ज्यादा बात करते हैं तो आपका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले की एक स्टडी पर गौर करें तो 70 प्रतिशत से अधिक कंप्यूटर यूजर्स को कंप्यूटर चश्मे की जरूरत पड़ती है।

दुष्प्रभाव से कैसे बचें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करते हुए हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक लें या हर आधे घंटे के बाद दो-तीन मिनट के लिए अपनी आंखों को कंप्यूटर से हटा लें।

वीडियो गेम खेलने का समय और अवधि निर्धारित करें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय हमारी पीठ सीधी हो, खासकर रीढ़ की हड्डी। कंप्यूटर की स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होनी चाहिए। स्क्रीन से आंखों की दूरी दो फुट होनी चाहिए।

टीवी कभी भी अंधेरे में न देखें, वहां हमेशा पर्याप्त रोशनी बनाए रखें।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 1 घंटा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से मस्तिष्क में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ सकता है।

हमेशा बड़ी स्क्रीन के लैपटॉप का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से पॉश्चर पर ज्यादा दबाव नहीं आता।

लैपटॉप की स्क्रीन आंखों के समान लेवल या एंगल पर होनी चाहिए, ताकि आपको अपनी आंखें स्क्रीन पर रखने के लिए गर्दन को घुमाना या मोड़ना न पड़े।

मोबाइल फोन में बैक्टीरिया!

एक रिसर्च में पाया गया है कि मोबाइल फोन में टॉयलेट के फ्लश हैंडल से औसतन 18 गुना ज्यादा हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। इनकी वजह से पेट में गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि ब्रिटेन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन्स के 6.3 करोड़ में से 1.47 करोड़ यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

आर्थोस्कोपिक सर्जरी दूर होंगी कंधे से जुड़ी समस्याए

क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, कराटे जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण देश के युवा वर्ग की जीवन-शैली भी तेजी से बदल रही है। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से ही लंबी सूची में जोड़ों के लिगामेंट
टूटने, मांसपेशियों से संबंधित दिक्कतें, हड्डियों के कार्टिलेज खराब होने जैसी कई परेशानियां जुड़ गई है।

युवाओं में कंधे का डिसलोकेशन (कंधे का अपने नियत स्थान से खिसक जाना) और इससे जुड़ी दूसरी बीमारियां और मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों व बुजुर्गों में फ्रोजन शोल्डर (कंधा जाम होना या कंधा घुमाने में
दर्द होना) और शोल्डर रोटेटर कफ टीयर (सिर के ऊपर वस्तु उठाने में दिक्कत होना) नामक रोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं। अतीत में लोग इन समस्याओं को बर्दाश्त कर लेते थे और जीवन-शैली से समझौता कर लेते थे।

ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एक ही विकल्प उपलब्ध था- बड़ी ओपन सर्जरी। इस सर्जरी की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि इससे कंधे का मूवमेंट सीमित हो जाता था, लेकिन वर्तमान दौर में लोगों की अपेक्षा रहती है कि
कंधे का मूवमेंट सीमित न रहे। वर्तमान दौर में आज एमआरआई जांच और आर्थोस्कोपिक
सर्जरी के जरिये कंधे से संबंधित उपर्युक्त रोगों का इलाज कारगर ढंग से संभव है।

'की होल' सर्जरी

अब 'की होल' सर्जरी द्वारा छोटे चीरे से ही इस समस्या का अच्छी तरह इलाज किया जा सकता है। इससे न सिर्फ जटिलताएं कम होती हैं बल्कि परिणाम भी अच्छा हासिल होता है। साथ ही, स्वास्थ्य-लाभ (रिकवरी) भी काफी तेज होता है। कंधों के इलाज के लिए अतीत में देश के क्रिकेटर विदेश जाते रहे हैं। अब यह सब कुछ भारत में किया जा रहा है।

युवाओं की समस्याएं

युवाओं में कंधे की जो समस्याएं सबसे आम हैं, उनमें एक है कंधे का बार-बार अपने नियत स्थान से हट जाना। इस स्थिति को शोल्डर डिसलोकेशन कहते हैं। यह समस्या कंधे की संरचना के कारण है, क्योंकि कंधे का जोड़ (ज्वाइंट) एक अस्थिर जोड़ है। इसमें बॉल बड़ी और सॉकेट छोटा है। इसलिए एक बार कंधा डिसलोकेट हो जाए तो 10 में से 7 मामलों में इसके फिर ऐसा होने की संभावना रहती है। पहले इस तरह की समस्याओं का कारण ही नहीं पता चलता था क्योंकि जांच के दौरान आमतौर पर कोई चिकित्सकीय संकेत नजर नहीं आता था। मरीज इनके साथ ही जीना सीख जाता था। आज एमआरआई और सी टी स्कैन से कंधे की संरचनात्मक जांच और आर्थोस्कोपिक सर्जरी से ज्यादातर मामलों में एनाटॉमिक रिपेयर या एनाटॉमिक रिकंस्ट्रक्शन द्वारा सफल निदान संभव है।

मिडिल एज की समस्याएं

मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों और खासकर डाइबिटीज के रोगियों में कंधा अक्सर सख्त या जाम हो जाता है। इसे फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है। यह पीड़ित व्यक्ति के कार्यों को सीमित करने वाली बीमारी है और मरीज अक्सर करीब एक साल में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। कंधे के बीच कॉर्टिसोन (स्टेरॉयड) इंजेक्ट करके ठीक होने की अवधि को कम किया जा सकता है, लेकिन कंधे से संबंधित गंभीर मामलों में आर्थोस्कोपिक सर्जरी जरूरी हो जाती है।

मध्य आयु के और बुजुर्ग लोग कफ डिजीज से भी ग्रस्त होते हैं। कफ मांसपेशियों का एक समूह है, जो कंधे के मूवमेंट को नियंत्रित करता है। यह सिर से कंधे के ऊपर तक जाता है और अक्सर हड्डियों के बीच दब जाता है, जो कभी-कभी फट जाता है। इसे रोटेटर कफ टीयर कहते हैं। इस समस्या का सफल उपचार आर्थोस्कोपिक सर्जरी है।

सर्जरी के फायदे

आर्थोस्कोपिक सर्जरी कंधे की %की-होल% सर्जरी है, जहां जोड़ के अंदर के हिस्से को पेंसिल के आकार के एक पतले टेलीस्कोप से देखा जाता है। टेलीस्कोप से एक छोटा वीडियो कैमरा जुड़ा होता है और इस तरह जोड़ के अंदर का हिस्सा टीवी स्क्रीन पर देखा जा सकता है। यह सब एनेस्थेसिया देने के बाद दो या तीन छोटे सुराख के जरिए किया जाता है। चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन के बाद की अवधि में कम से कम असुविधा होती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। मरीज को सिर्फ एक दिन अस्पताल में रहना पड़ता है और वह हल्की पट्टी लगाकर घर आ सकता है।

सप्ताह भर के बाद कई पट्टियां हट जाती हैं और मरीज को प्रेरित किया जाता है कि वह कंधे को हिलाए। फिजियोथेरेपी से वापस हिलाने की ताकत और क्षमता हासिल करने में सहायता मिलती है।

ऐसे में न जाएं जिम

जिम में सभी फिट रहने के लिए जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि जिम जाने से शरीर को नुकसान भी पहुंच सकता है? किन-किन स्थितियों में जिम जाने से बचना चाहिए, बता रही हैं।

जिम जाएं सेहत बनाने के लिए, न कि सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए। आपकी उम्र कम या अधिक है या आप गर्भवती हैं या फिर आप अक्सर दोपहर में जिम जाते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं।

अगर 14 साल से कम उम्र है

जिम 14 साल की उम्र के बाद ही जाना चाहिए। 14 वर्ष से कम उम्र में जिम में व्यायाम करने से बच्चों के शरीर को क्षति पहुंच सकती है, क्योंकि कम आयु में बच्चों की हड्डियां बहुत संवेदनशील होती हैं। उनकी मांसपेशियां और नसें भी नरम होती हैं। ऐसे में उन्हें जिम में हार्ड वर्कआउट करना नुकसानदायक होता है। यह शरीर के विकास पर भी बुरा असर डाल सकता है। इतना ही नहीं, यदि 15 से 20 वर्ष की उम्र में जिम जाना शुरू कर रहे हैं तो अपना बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) जरूर जांच करवा लें और उसके बाद डॉक्टर से सलाह लेकर ही जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत करें।

दोपहर के समय जिम नहीं

जिम जाने के लिए बेहतर समय तो सुबह का ही है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी सहूलियत के मुताबिक जिम जाने लगे हैं। कोई सुबह जाता है तो कोई शाम को और कोई रात को। अगर आप सुबह वक्त नहीं निकाल पा रहे हैं तो शाम और रात का समय जिम में वर्कआउट के लिए फिर भी ठीक है, लेकिन दोपहर लगभग बारह बजे से चार बजे तक जिम जाने से बचें। इस समय आपका शरीर वर्कआउट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होता। अगर रात को आप खाना देर से खाते हैं तो ही रात को जिम जाएं और खाना खाने के बाद जिम में एक्सरसाइज बिलकुल न करें।

गर्भवती या मासिक धर्म होने पर

फिटनेस फिएस्टा की कोच गीता चौधरी बताती हैं कि महिलाओं के लिए जिम जाना अच्छा होता है। इससे भविष्य में उनकी सेहत को फायदा होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं को जिम जाने से गुरेज करना चाहिए। इसकी अपेक्षा वह योग या अन्य हल्के व्यायाम डॉक्टर से सलाह ले कर करें। इसके अलावा डिलीवरी होने के बाद भी पांच महीने तक जिम न जाएं। उसके बाद अपनी डिलीवरी रिपोर्ट जिम इंस्ट्रक्टर को दिखा कर उनकी सलाह के अनुसार जिम में व्यायाम शुरू करें। महिलाओं को मासिक धर्म के समय भी जिम नहीं जाना चाहिए, बल्कि मासिक धर्म का दर्द शुरू होने पर भी जिम न जाएं। उस समय महिलाओं में रक्त संचार तेज होता है, जिसमें जिम की एक्सरसाइज से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्हें कमजोरी महसूस हो सकती है, चक्कर आ सकते हैं।

45 पार कर गए तो

लगभग 45 की उम्र के बाद शरीर की शक्ति कम हो जाती है, साथ ही हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। इस अवस्था में जिम में व्यायाम करने पर कई तरह की परेशानियां शरीर को सताती हैं। ऐसे में जिम सोच-समझ कर ही जाएं। यदि आप पहले से जिम नियमित तौर पर जाते रहे हैं तो 60 वर्ष की आयु तक भी जिम जा सकते हैं, क्योंकि ऐसे में शरीर में पहले ही स्ट्रेंथ बन जाती है।

कमर या पैर की तकलीफ में

कमर या पैर संबंधी गंभीर रोग या परेशानी होने पर जिम से परहेज करें। यही नहीं, किसी भी तरह की अंदरूनी बीमारी जैसे अटैक्स, पथरी आदि में भी जिम का व्यायाम नुकसानदायक हो सकता है। हो सके तो ऐसी परिस्थितियों में जिम को नजरअंदाज ही करें या अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही जिम में वर्कआउट करें।

संपत्ति में अधिकार, महिला सशक्तीकरण का आधार - शर्मा

जयपुर टाइम्स

चोमू(निसं.)। राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में महाविद्यालय की राजस्थान राज्य महिला नीति समिति के तत्वावधान में प्रति माह आयोजित होने वाली व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत वैधानिक जागरूकता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर राजेंद्र कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा वर्तमान समय में वैधानिक जानकारी की अत्याधिक आवश्यकता है। सैशन कोर्ट अधिवक्ता महेश शर्मा ने विभिन्न वैधानिक अधिनियम यथा पैतृक संपत्ति में महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकार एवं दहेज एक्ट की विस्तृत जानकारी दी व छात्राओं की जिज्ञासा भी शांत की। राज्य महिला समिति संयोजक प्रो माधुरी गोस्वामी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि महिला नीति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को जागरूक कर उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं। इस कार्यक्रम में शिव सैनी ने भी सहयोग दिया।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिवपुरा में भामाशाहों ने सर्दी को देखते हुए वितरित किये जूते जुराब

जयपुर टाइम्स

जमवारामगढ़(निसं.)। जमवारामगढ़ उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत खवारानीजी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिवपुरा में आँधी क्षेत्र के थौलाई गांव निवासी भामाशाह रामकिशोर मीणा व राज शर्मा गांव भावनी ने विद्यालय में अध्यनरत समस्त विद्यार्थियों सहित आंगनबाड़ी में जाने योग्य बच्चों की पीड़ा को महसूस करते हुए उन्हें सर्दी से बचाव के लिए जूते -जुराब वितरित किये । विद्यालय प्रधानाध्यापक राज कुमार शर्मा ने इस अवसर पर भामाशाह का सम्मान करते हुए कहा कि समाज सेवक , दानदाता व भामाशाह समाज उत्थान की दिशा में अलग अलग क्षेत्रों में बहुत कुछ योगदान करते हैं लेकिन भामाशाहों व दानदाताओं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया गया योगदान प्रशंसनीय व अनुकरणीय होता है । यदि शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को समय-समय पर समुचित प्रोत्साहन , सुविधाएं व अभिप्रेरणा मिलती रहे तो परिणाम बहुत ही उत्साहवर्धक व विस्मयकारी निकलकर आते हैं । इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों व शिक्षकों ने भामाशाहों के योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

निजीकरण के खिलाफ विद्युत कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विद्युत निगमों के कर्मचारियों ने राज्य सरकार द्वारा विद्युत क्षेत्र में किए जा रहे अंधाधुंध निजीकरण के खिलाफ और कर्मचारियों के लिए ओ.पी.एस. योजना का पूर्ण लाभ देने की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार किया।साथ ही मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन भी सौंपा। समिति के प्रतिनिधि हेमेन्द्र नावर, महेन्द्र मीणा, डालचंद खटीक,नरेंद्र जैन कर्मचारी प्रतिनिधि राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा जारी प्रेस बयान में कहा गया कि राजस्थान विद्युत निगमों में उत्पादन, प्रसारण और वितरण के क्षेत्र में अंधाधुंध निजीकरण की प्रक्रिया चल रही है, जो न केवल कर्मचारियों के हितों के खिलाफ है, बल्कि राज्य की जनता के लिए भी हानिकारक साबित हो सकती है। सरकार द्वारा अभी तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।हेमेन्द्र नावर ने बताया कि राज्य सरकार ने तापीय विद्युत उत्पादन गृहों को निजी हाथों में सौंपने का प्रयास किया है, जो कि राज्य की विद्युत आपूर्ति में आत्मनिर्भरता को खतरे में डाल सकता है।

महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खा कर भी की सनातन धर्म की रक्षा

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। श्रीजी फाउंडेशन द्वारा एनएच-27 केसरगंज चौराहा स्थित श्रीजी रिसोर्ट में करवाई जा रही श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर साध्वी सुहृदय गिरी ने सुदामा चरित्र और जरासन्ध वध के प्रसंग सुनाए। कथा के दौरान साध्वी सुहृदय गिरी ने कहा कि भगवान राम ने तो चौदह वर्ष वनवास में बिताए लेकिन महाराणा प्रताप ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए

स्वेच्छा से 21 वर्ष सहर्ष वन में रहना स्वीकार किया और अपने बच्चों को घास की रोटियां खिलाई।जब महाराणा के मन में अकबर से संधि का विचार आया तो बिजौलियां राजपरिवार की बेटी व महाराणा प्रताप की रानी अजबदे बाईसा ने उन्हें ऐसा करने से रोका। साध्वी ने कहा कि बिजौलियां भक्ति,शक्ति और स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि हैं। कथा के समापन पर हवन,पूर्णाहुति व प्रसादी के कार्यक्रम हुए।कथास्थल से गाजेबाजे के साथ श्रद्धालु ठाकुर जी को विमान में विराजित कर चारभुजा मंदिर पहुंचे।जहां आरती कर प्रसाद वितरित किया गया।

नगर निगम ग्रेटर की कार्यवाहीः 17 हजार रुपए कैरिंग चार्ज वसूला, 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने सोमवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की। आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश और उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में इण्डिया गेट, बम्बाला पुलिया, सीतापुरा पुलिया और टोंक रोड पर अभियान चलाया गया। इस दौरान 17 हजार रुपए का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया और 4 केन्टर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि अस्थाई अतिक्रमण हटाने के साथ ही मौके पर मौजूद लोगों को मौखिक रूप से चेतावनी दी गई कि भविष्य में ऐसे अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में अस्थाई या स्थायी अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। भविष्य में उल्लंघन पाए जाने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा या अन्य सख्त कदम

उठाए जाएंगे। नगर निगम की यह कार्यवाही शहर को अतिक्रमण मुक्त रखने और यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से की गई। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि नगर निगम के नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण से बचें।

मुक्तिधाम में अनूठी पहलः 45 मिनट में पर्यावरण हितैषी अंत्येष्टि

जयपुर टाइम्स

ब्यावर(निसं.)। विजयनगर रोड स्थित हिंदू सेवा मंडल मुक्तिधाम में एक नई अंत्येष्टि मशीन स्थापित की गई है, जो मात्र 45 मिनट में शव का दाह संस्कार पूरा करती है। यह मशीन पर्यावरण संरक्षण और समय की बचत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। मशीन को सरदार रणधीर सिंह सेहमी ने अपनी माताजी अमृत कौर की स्मृति में डिजाइन कर हिंदू सेवा मंडल को भेंट

किया। इसकी लागत लगभग 4 लाख रुपए है। इस अवसर पर साहू वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में विधायक शंकर सिंह रावत और सभापति नरेश कनोजिया मुख्य अतिथि थे। विधायक रावत ने सेहमी परिवार की सराहना करते हुए मुक्तिधाम में पांच और ऐसी मशीनें लगाने की घोषणा की। सभापति कनोजिया ने इस पहल को समाज और पर्यावरण के लिए प्रेरणादायक बताया। हिंदू सेवा मंडल के अध्यक्ष बृजमोहन व्यास ने सेहमी परिवार के निरंतर सहयोग का आभार व्यक्त किया। समाजसेवी गणपत सर्राफ ने बताया कि इस मशीन से दो मन लकड़ी में शवदाह संभव है, जिससे पानी और लकड़ी की बचत होगी। अंतिम संस्कार के बाद स्वच्छ भस्म और अस्तियां प्राप्त की जा सकेंगी। कार्यक्रम में सेहमी परिवार का पगड़ी और शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। साथ ही दानदाताओं और मुक्तिधाम के कर्मठ कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। इस पहल को आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनुकरणीय मिसाल बताया गया।

शिव शक्ति चण्डी महायज्ञ की कलश यात्रा 27 को

चौम(निसं.)। के ग्राम रिसाणी में स्थित मां भगवती मंगल पावन धाम पर होने वाले शिव शक्ति चण्डी महायज्ञ को अन्तिम रूप दिया। इस महायज्ञ की कलश यात्रा 27 नवम्बर को सुबह 10 बजे गाजे बाजे के साथ भौमिया जी महाराज से कलश यात्रा निकाली जायेगी। महाराज गजानंद देवीउपासक ने कहा कि 29 नवम्बर को महापुर्ण आहुति के बाद भण्डारा व रात्रि को भगवती जागरण होगा।

शीला गोगामेडी आज झुंझुनू आएंगे

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)।। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष शीला सुखदेव सिंह गोगामेडी 5 दिसंबर को गोगामेडी में सुखदेव सिंह गोगामेडी की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को झुंझुनू के करणी सेना के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियो से मिलेगी। साथ ही होने वाले प्रोग्राम को लेकर पत्रकार बंधुओ से प्रेसवार्ता भी अपरान्ह तीन बजे शार्दुल छात्रावास में करेंगी। यह जानकारी रविंद्र सिंह तोलियासर ने दी।

प्रांतीय संस्कार महोत्सव समारोहपूर्वक संपन्न, श्यामसुंदर मंत्री को शिरोमणि उपाधि से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.)। लायंस क्लब कुचामन सिटी द्वारा 20-26 नवंबर तक मनाए गए संस्कार सप्ताह के समापन अवसर पर स्काई वर्ल्ड रिसोर्ट, बुड़सू रोड में प्रांतीय संस्कार महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर लायन श्यामसुंदर मंत्री को उनकी दीर्घकालीन सेवाओं, उत्कृष्ट आर्थिक सहयोग और प्रांतपाल सेवाओं के लिए शिरोमणि लायन उपाधि से विभूषित किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन

मनोज अग्रवाल ने बताया कि समारोह में समाज सेवा और क्लब की गतिविधियों में योगदान देने वाले विशिष्ट सदस्यों का सम्मान किया गया। इनमें लायन गिरधर गोपाल मोर, कमल कुमार पहाड़िया, सुभाष मदान, नटवर लाल रामचंद्रका, श्याम सुंदर लोहिया, और गोपाल बंसल शामिल हैं। इसी क्रम में विशिष्ट समाज सेवकों जैसे चंद्रकला माथुर, मधुसूदन पारीक, ओम प्रकाश मंडावाला और प्रसिद्ध गायक असलम खान को भी प्रशस्ति पत्र, माला और शाल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रीजन 3 के संभागीय अध्यक्ष लायन रमेश महेश्वरी, शाकुंतला महेश्वरी, सूरज जैन सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। लियो क्लब सुरभि की सदस्यों ने राजस्थानी नृत्य व स्वागत गीत प्रस्तुत कर समां बांधा, जबकि गायक असलम खान के देशभक्ति गीतों ने उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में नगर परिषद उपसभापति हेमराज चावला, नंदकिशोर बिड़ला, पवन मोर, मनोज लढ़ा और प्रशांत भूतड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। आयोजक लायन नरेंद्र शर्मा ने आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम को सफल बताया।

'संविधान दिवस' पर प्रदर्शनी व संगोष्ठी आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)।। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के मुख्य आतिथ्य में संविधान दिवस' के अवसर पर जिला प्रशासन, सूचना जनसंपर्क विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और राजकीय विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सवेरे 10 बजे जिला मुख्यालय स्थित राजकीय विधि महाविद्यालय में प्रदर्शनी व गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। सूचना व जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक कुमार अजय ने बताया कि संविधान दिवस के उपलक्ष में "संविधान निर्माण, संविधान सभा और संविधान से संबंधित रोचक तथ्यों" को लेकर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इसी के साथ संविधान दिवस से संबंधित गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर एस के सैनी ने प्रदर्शनी व गोष्ठी में अधिकाधिक सहभागिता की अपील की है।

विद्यालयों के विकास के लिए भामाशाहों का योगदान

जयपुर टाइम्स

चोमू(निसं.) उदयपुरिया स्थित राउमावि और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय को भामाशाह जगदीश प्रसाद मीणा और सत्यनारायण मीणा ने अपने माता-पिता, स्वर्गीय रुकमा देवी और स्वर्गीय मालीराम मीणा की स्मृति में एक-एक आलमारी भेंट की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराज भगवान पुरी ने भामाशाह परिवार की

सराहना करते हुए कहा कि विद्यालयों के विकास में समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। उन्होंने भामाशाह परिवार को आभार व्यक्त कर आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच मुकेश मीणा ने की। इस दौरान राउमावि के प्रधानाचार्य जगदीश मानावत और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की प्रधानाचार्य अर्चना नवीन ने भामाशाहों का स्वागत किया। कार्यक्रम में शिक्षाविद मुकेश हाटवाल, महेंद्र मीणा, रमेश मीणा, अनुराग मीणा, मयंक मीणा, प्रियंका मीणा, अर्पणा मीणा, मुकेश मेहला सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता महेंद्र कुमार बुनकर ने किया। भामाशाहों के इस योगदान से विद्यालयों में सुविधाओं के विकास को नई दिशा मिलेगी और बच्चों की शिक्षा में सहूलियत होगी।

चाकसू कस्बे में शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निस.) चाकसू कस्बे के चिकित्सा व्यवस्था का अधिक से अधिक लोगों को फायदा मिलता रहे उसके लिए शीतला माता एवं गरूड़वासी चौराहे पर सोमवार को जनता क्लीनिक का लोकार्पण चाकसू विधायक द्वारा किया गया। चाकसू बीसीएमओ डॉ सौम्य पंडित ने बताया कि चाकसू कस्बे में शहरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर (जनता क्लिनिक) के लोकार्पण किया गया। वहीं लोकार्पण कार्यक्रम समारोह में चाकसू विधायक रामावतार बैरवा ने अपने कर कमलों द्वारा लोकार्पण किया गया। वहीं बताया कि शीतला माता व गरूड़वासी रोड़ चाकसू की आम जनता को चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी अच्छी सुविधा मिलेगी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान इस चाकसू प्रधान उगन्ता देवी चौधरी, कृषि उपज मंडी पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष रामधन सैनी व नगर पालिका के पार्षदगण सहित आम जन मौजूद रहे।

75वें संविधान दिवस पर प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। 75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में 26 नवंबर को जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में संविधान प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर शुभम चौधरी सुबह 11 बजे संविधान प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर करेंगी। इस प्रदर्शनी में संविधान की उद्देशिका और प्रमुख मूल अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। दोपहर 1 बजे संविधान पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमें संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आधिकारिक हैंडल्स पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संविधान के महत्व पर पेम्पलेट और अन्य माध्यमों से जानकारी साझा की जाएगी। इसका उद्देश्य नागरिकों को संवैधानिक अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है। आयोजन का उद्देश्य संविधान के मूल्यों को समझना और आमजन तक संविधान की महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाना है। जिले के सभी नागरिकों से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की गई है।

विभागीय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आज

जयपुर टाइम्स

जैसलमेर(निसं.)। विभागीय गतिविधियों के साथ ही बजट घोषणाओं एवं सम्पर्क पोर्टल प्रगति के सम्बन्ध में साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला कलक्टर प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज मंगलवार, 26 नवम्बर को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में रखी गई है। यह जानकारी सहायक निदेशक, लोकसेवाएँ एवं उपखण्ड अधिकारी जैसलमेर पवन कुमार ने दी। उन्होंने इस बैठक में शामिल होने वाले सभी संम्बन्धित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित अपडेट सूचना सहित अनिवार्य रुप से बैठक में नियत समय पर उपस्थित होने के लिये कहा गया है।

जिला कलक्टर ने क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा-2024 के पोस्टर का किया विमोचन

जयपुर टाइम्स

जैसलमेर(निसं.)। क्रीड़ा भारती की ओर से आयोजित होने वाली क्रीडा ज्ञान परीक्षा 2024 के पोस्टर का सोमवार को जिला कलक्टर प्रताप सिंह द्वारा विमोचन किया गया। क्रीड़ा भारती जिला अध्यक्ष (महिला) दीपिका ने बताया की पूरे देश में खिलाड़ियों छात्रों अभिभावकों व नागरिकों के बीच खेलों में अधिक रुचि पैदा करने के लिए क्रीड़ा भारती द्वारा ऑनलाइन मोड़ में क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा 2024 का आयोजन 8 दिसंबर 2024 को किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए आवेदन पर व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 6 दिसंबर 2024 निर्धारित है। इसमें कोई भी व्यक्ति जिसने आवेदन किया है वह मोबाइल लैपटॉप या कंप्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा दे सकता है। इस दौरान पोस्टर विमोचन में कीड़ा भारती जिला अध्यक्ष (महिला) दीपिका, शंकर सिंह उदावत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, राकेश बिश्नोई जिला खेल अधिकारी तथा कुंदन सिंह, जितेंद्र सिंह (जिला संयोजक) तथा नवीन सिंह उपस्थित रहे।

सेवंत्री में महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल, स्टेट टीम ने की प्रशंसा

जयपुर टाइम्स

राजसमंद(निसं.)। चारभुजा तहसील के सेवंत्री गांव में लाइवलीहुड रिसोर्स सेंटर का दौरा करने पहुंची स्टेट टीम महिलाओं की मेहनत और नवाचार देखकर अभिभूत हो गई। महिलाओं द्वारा सीताफल (कस्टर्ड एप्पल) के पल्प, मिर्च, नींबू, आँवले और आम जैसे उत्पादों के अचार निर्माण की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। इन महिलाओं ने अपनी कुशलता और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करते हुए टीम को प्रेरित किया। दौरे के दौरान स्टेट टीम ने देखा कि किस प्रकार यह परियोजना महिलाओं की आजीविका को सशक्त और स्थिर बना रही है। महिलाओं की मेहनत ने टीम को प्रभावित किया, जिन्होंने उनकी आय में हुई वृद्धि और आर्थिक स्वतंत्रता की सराहना की। लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इन प्रयासों ने उनके जीवन में किस प्रकार बदलाव लाया। कार्यक्रम के दौरान रणबांका बालाजी ट्रस्ट की अध्यक्ष श्वेता सिंह राठौड़ ने कहा, "इन पहलों ने न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और गर्व की भावना भी जागृत की है। यह परिवर्तन ग्रामीण समुदायों की क्षमता का उदाहरण है।" इस दौरे में ट्रस्ट अध्यक्ष श्वेता सिंह राठौड़, कुंभलगढ़ प्रधान कमला दसाणा, स्थानीय सरपंच विकास दवे और वॉटरशेड विभाग के प्रतिनिधि शामिल थे। सेवंत्री की विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी मेहनत और नवाचारी दृष्टिकोण से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम का समापन महिलाओं को निरंतर समर्थन और इन पहलों को क्षेत्रभर में विस्तार देने के संकल्प के साथ हुआ। लाइवलीहुड रिसोर्स सेंटर में स्वरोजगार बढ़ाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी हैं।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
26 नवम्बर, 2024

आरओबी मामले में स्थानीय कार्यवाही पर रोक की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। छापर रोड़ पर प्रस्तावित रेलवे ओवर ब्रिज के मामले में स्थानीय विभागीय कार्यालयों की ओर से की जा रही कार्यवाहियों को रोके जाने की मांग की गई है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुभाष बैदी ने जिला कलक्टर के नाम उपखंड अधिकरी ओमप्रकाश वर्मा को ज्ञापन सौंपकर बताया है कि टू लेन पुलिया बनाने के लिए दिए गए ज्ञापनों पर जयपुर से जांच आई हुई है, इसलिए जब तक जांच कम्पलीट नहीं होती है, तब तक विभागो के स्थानीय कार्यालयों की ओर से की जा रही कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ाया जाए, ताकि जांच सही तरीके से हो सके।

भंडारे के पोस्टर का विमोचन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जनवरी 2025 में शुरू होने वाले प्रयागराज महाकुंभ गोवर्धन खालसा अन्नक्षेत्र में एक महीने तक शहर की सियाराम बाबा की बगीची की ओर से भंडारा व शिविर लगाया जाएगा। सोमवार को बगीची में आयोजित कार्यक्रम में इसके पोस्टर का विमोचन किया गया। नरेंद्र भाटी ने बताया कि 8 जनवरी को सुजानगढ़ से बस की ओर से यात्रा रवाना होगी, जो 15 जनवरी तक चलेगी। इस दौरान यात्रा में तीर्थयात्रियों को अयोध्या, वाराणसी की यात्रा करवाकर प्रयागराज में कुंभ स्नान करवाया जाएगा। वापसी में यात्रा चित्रकूट होते हुए लौटेगी। इसी दौरान महन्त श्यामसुंदर दास त्यागी को गोवर्धन खालसा गद्दी के महामंडलेश्वर की उपाधि दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से भंडारे व शिविर में सहायता देने की अपील की। दिनेश स्वामी ने बताया कि यात्रा की व्यवस्थाएं गोलू स्वामी, मनीष स्वामी, महेंद्र टाक, कपिल पारीक, लालनाथ सिद्ध, नत्थूदास सिद्ध, पवन शर्मा, आनंदीलाल सोनी संभालेंगे।

समरस सनातनी यात्रा को विचार गोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। टीकमदास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गोशाला में बुधगिरी मढ़ी के दिनेश गिरि के आतिथ्य में समरस यात्रा के लिए गोष्टी का आयोजन हुआ। यह यात्रा 14 दिसम्बर को मंडावा आने वाली है। जिसमे दिनेश गिरि जी ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील की है। समरस यात्रा का उद्देश्य 11 हजार सनातनी सैनिक तैयार करना है। यह यात्रा सालासर से शुरू होकर पूरी शेखावाटी में भ्रमण करेगी। इसलिए 14 दिसम्बर को यात्रा मंडावा में पधारेगी। जिसमे ज्यादा से सनातनी भाग लेकर इसे सफल बनाए। इस कार्यक्रम में दिनेश गिरि का माला और दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महंत नरेंद्र सुरोलिया, रविंद्र शर्मा, किशोर चौहान, संजय , अरुण , चंदन, प्रियांशु, वंश गजेंद्र सिंह, राजकुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षाविद ढ़ाका का निधन, नम आंखों से दी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। जिदगी के आखिरी पड़ाव तक शिक्षा दान के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले शिक्षाविद्ध मामराज ढ़ाका अब हमारे बीच नहीं रहे। जैसे ही उनके असामयिक निधन की खबर क्षेत्र में फैली मानों कोहराम मच गया। सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षा प्रेमियों, जन प्रतिनिधियों से लगायत आम जनता का हुजूम उनके अंतिम दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ा। सबकी आंखे नम थी और चेहरे पर मायूसी का भाव विद्यमान था। भाजपा जिला उपाध्यक्ष इजी. प्यारेलाल ढूकिया ने

गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से समाज की अपूरणीय क्षति हुई है। उल्लेखनीय है कि शिक्षाविद्ध, मधुर भाषी व मिलनसार 70 वर्षीय मामराज ढ़ाका का सोमवार को लम्बी बिमारी के बाद निधन हो गया है। उनका फतेहपुर शेखावाटी में इलाज चल रहा था। उनके दो पुत्र क्रमशः जनसेवी राजीव ढ़ाका, डॉ0 राजेश ढाका और दो पुत्री लीला व सुभिता है। वे भरापूरा परिवार छोड़कर गए है। ढ़ाका का सोमवार को शाम को पैतृक गांव ढ़ाका का बास (श्योपुरा) में अन्तिम संस्कार किया गया। शव यात्रा में सैकड़ों ग्रामीणों ने नम आंखो से अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इससे दौरान उनके दोनो पुत्रों ने चिता को मुखाग्नि दी।

स्कूली बच्चों ने सीखे हाथ धोने के गुर

स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति किया जागरुक

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना की सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता इकाई के जागरूकता कार्यक्रम के तहत रूडिप के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में कनिष्ठ अभियंता संजू पूनिया के सहयोग से आरयूआईडीपी परियोजना की जानकारी मंडावा शहर के वार्ड नं -17 स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रैगरान मोहल्ला में सोमवार को विधार्थी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दी गई। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य विषयों पर जागरुक किया गया। कैप-आर्यूआइडीपी के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रूहेला ने हाथ धोने के सिक्स स्टेप की जानकारी देते हुए हाथ धोने के फायदों के

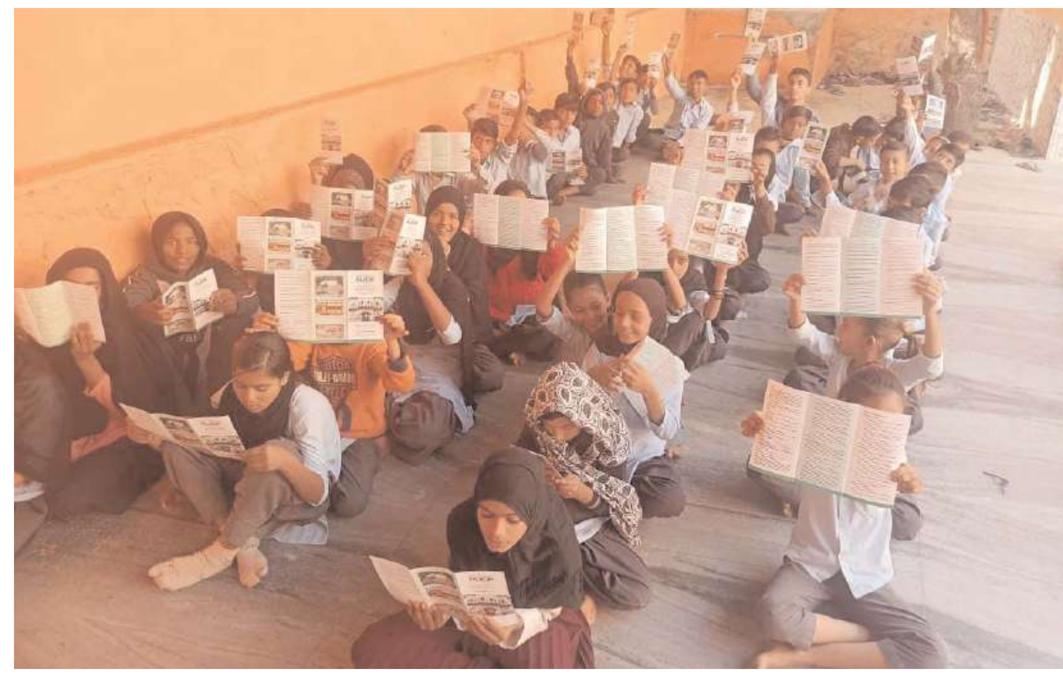

बारे में विस्तार से बताया। साथ ही विद्यार्थियों को साबुन से हाथ धोकर दिखाए और सभी बच्चों के हाथ भी साबुन से धुलवाए। सोशल सेफ़गार्ड योगेश आत्रेय ने स्वास्थ्य और स्वच्छता पर बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वस्थ्य रहने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से व्यर्थ में पानी नही फैलाने और जल संरक्षण की अपील की। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनिता पूनिया ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खुशी प्रकट करते हुए कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन होते रहना चाहिए जिससे की विद्यार्थियों का क्षमतावर्धन हो सके। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि कार्यक्रम में दी हुई जानकारी को अपने तक सीमित ना रखकर इसको अपने घर परिवार व दोस्तों के साथ साझा करे। इस अवसर पर संवेदक फर्म के एसओटी कुलदीप सिंह व सुनिता परिहार का कार्यक्रम में विशेष योगदान रहा और विद्यालय स्टाफ से राजेंद्र सिंह, सुधीर कुमार व सरस्वती आदि ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर बच्चों का मनोबल बढाया।

स्वदेशी जागरण मंच का स्थापना दिवस मनाया

स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के सरस्वती शिक्षण संस्थान में स्वदेशी जागरण मंच स्थापना दिवस मनाया गया। मंच के विभाग विचार प्रमुख प्रो पीके पांडिया ने इस अवसर पर कहा कि यह संगठन स्वदेशी उद्योगों और संस्कृति के विकास के लिए लोगों को जागृत करने के लिए बनाया गया था। स्वदेशी जागरण मंच स्थानीय उत्पादों, कंपनियों को बढ़ावा देने, युवाओं में स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने, भारत को स्वावलंबी बनाने के मुख्य उद्देश्य से बनाया गया था। मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इसकी स्थापना 22 नवंबर 1991 में नागपुर में की थी। वर्तमान समय में स्थानीय उत्पादों, स्थानीय व्यापारियों, स्व भाषा, स्व संस्कृति, स्व अर्थ व्यवस्था, स्व धर्म और जीवन पद्धति के समक्ष उपस्थित होने वाली चुनौतियों को स्वदेशी अपनाकर सामना किया जा सकता है। हम सभी को स्थानीय उत्पादों, सेवा और श्रम को अधिकतम प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें स्वदेशी के मूल मंत्र को समझना चाहिए। प्रो पांडिया ने इस अवसर पर उपस्थित सभी जनसमूह से स्व धर्म, स्व भाषा, स्व संस्कृति, स्व निर्भरता, स्व अभिमान जैसी बातों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ लोकेश शर्मा, डॉ आरके सैनी, कविता शर्मा, हरि प्रसाद प्रजापत, कुशालाराम, चंदनमल सैनी, रक्षा शर्मा, विनोद सैन, अंजलि सोनी आदि सहित बीएड के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गुवाहाटी में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में रूमा देवी देंगी रेगिस्तान और हिमालय की आजीविका पर उद्बोधन

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) राजस्थान की प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता रूमा देवी गुवाहाटी में आयोजित 12वें पूर्वी हिमालय नेचुरल इकोनॉमिक्स फोरम में रेगिस्तान और हिमालय क्षेत्र की आजीविका के बीच संबंधों पर अपना उद्बोधन देंगी। यह फोरम 26 और 27 नवंबर को आयोजित होगा, जिसमें 15 देशों के 80 से अधिक प्रमुख पर्यावरणविद, सामाजिक कार्यकर्ता और नीति निर्माता भाग लेंगे। फोरम में जलवायु परिवर्तन, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के लोगों की आजीविका, जल ग्रहण और प्राकृतिक संसाधनों पर विचार विमर्श किया जाएगा। बालीपुर फाउंडेशन के संस्थापक रंजीत बारठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम में कांगो की रानी डिंअम्बो कबातुसुइला, लॉर्ड निकोलस स्टर्न (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स), टाटा पावर के सीईओ डॉक्टर प्रवीण सिन्हा, अभिनेत्री और यूनेस्को की ब्रांड एंबेसडर दिया मिर्जा, इंडिया टुडे के कार्यकारी निदेशक कौशिक दैक और एचडीएफसी सीएसआर हेड नुसरत पठान समेत कई अन्य दिग्गज शामिल होंगे। रूमा देवी पूर्व में हिमालयी हस्तशिल्प को बढ़ावा देने और राजस्थान में ग्रामीण आजीविका सुधारने के लिए कार्य कर चुकी हैं। उनकी फाउंडेशन की प्रवक्ता अनिता और कविता ने बताया कि इस सम्मेलन में वह रेगिस्तानी और हिमालयी क्षेत्रों में महिलाओं की आजीविका और

आत्मनिर्भरता को लेकर चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा करेंगी। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर भारत में सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को भी समझने का अवसर मिलेगा। फोरम में अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, बांग्लादेश, भूटान, थाईलैंड और कनाडा समेत कई देशों के प्रतिनिधि "तीसरे ध्रुव" (हिमालय) और पूर्वी हिमालय के भविष्य पर चर्चा करेंगे। रूमा देवी का यह योगदान न केवल राजस्थान बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है।

गायत्री मंत्र गीत-संगीत के जरिए श्रद्धालुओं ने भक्ति ज्ञान का अलख जगाया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। हम बदलेंगे, युग बदलेगा...हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा...एक बनेंगे, नेक बनेंगे...ज्ञान यज्ञ की लाल मशाल सदा जलेगी...नया सबेरा, नया उजाला इस धरती पर लाएंगे। ऐसे नारों के साथ गायत्री परिवार से जुड़े श्रद्धालुओं ने सोमवार को यहां फतेहपुर बस स्टैण्ड के निकट किसान भवन में शांति कुन्ज हरिद्वार के तत्वावधान में चैन्नई प्रवासी उद्यमी व भामाशाह रमेश गाड़ोंदिया की अगुवाई में आयोजित की सुबह धार्मिक अनुष्ठान में पीले केसरिया परिधान में सजी महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालु लगातार गायत्री मंत्र का जाप कर रहे थे। साथ ही गीत-संगीत नारों के जरिए देश में शांति और नशामुक्ति के प्रति प्रेरित कर रहे थे। धार्मिक अनुष्ठान के बाद शांति कुन्ज हरिद्वार से आए टोली नायक ठाकुर नरेन्द्र गोपाल ने प्रवचन करते हुए कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहता है, इसलिए हमेशा खुश रहना चाहिए। दूसरों की आलोचनाओं से चिढ़ना

नहीं चाहिए। अहंकार से उतना ही सावधान रहना चाहिए, जितना पागल कुत्ते से। अपने मन और हृदय की संपूर्ण क्रियाओं को ईश्वर की ओर संचारित करना चाहिए। धैर्य और आशा रखने पर जीवन की समस्त स्थितियों को सामना करने की योग्यता जाती है। महान व्यक्ति सदैव अकेले चले हैं। इस अकेलेपन के कारण ही दूर तक चले हैं। अकेलापन जीवन का परम सत्य है। शांतिकुंज हरिद्वार के टोली नायक ने कहा कि इस ज्ञान यज्ञ का उद्देश्य शेखावाटी के गौरवशाली अतीत की भावना जगाना है। इस तरह के यज्ञ धर्म-कर्म से ही विश्व का कल्याण संभव है। इसके लिए जनसंख्या पर नियंत्रण जरूरी है। जिस देश की जनसंख्या ज्यादा बढ़ जाती है, वहां आध्यात्मिकता का ह्रास हो जाता है। उन्होंने कहा कि गायत्री शक्तिपीठ जनमानस का परिष्कार जन जागरण का केंद्र है। उसके बाद से यह केंद्र साधना, शिक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य पर्यावरण, नारी जागरण कुरीति उन्मूलन जैसे आत्म कल्याणकारी कार्यों में रचनात्मक भाव से संलग्न है। इस धार्मिक कार्यक्रम में शांतिकुंज से आए ठाकुर नरेंद्र गोपाल सहित उनकी टीम और भामाशाह रमेश गाडोदिया, पूर्व प्राचार्य भोलासिंह यदुवंशी, पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा, नन्द किशोर दीनवे वाला, नन्दू बील, सीताराम सैनी, संजय परिहार, मनोज सैन, हिम्मत सिंह दिनवा, अशोक सैनी, किरण गाड़ोदिया सहित अनेक धर्म प्रेमी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि शांतिकुंज की टीम गुरु कृपा भवन मंडावा पहुँच कर मंत्र जाप कर संजय परिहार के परिवार की उज्जवल भविष्य की कामना की।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियानः आमजन को जागरुक करने पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने सोमवार को पंचायत समिति में आयोजित बैठकों में आवश्यक सेवाओं और विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान आयोजित ब्लॉक टास्क फोर्स व महिला समाधान समिति की बैठक में इन्दिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 26 ऋण स्वीकृत किए गए तथा 24 सब्सिडी जारी की गई। साथ ही सखी केन्द्र में कुल केस 163 प्रकरणों में से 161 का निस्तारण किया गया। महिला सुरक्षा व सलाह केन्द्र में आए समस्त 644 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। शिक्षा सेतु में 103 आवेदन किए गए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के अन्तर्गत ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम पर चर्चा की गई और कन्या वाटिका व बाल विवाह रोकथाम कार्यक्रम आदि पर विचार-विमर्श किया गया। अभिसरण समिति, बेटी बचाओ बेटी पढाओ व महिला समाधान समिति और निगरानी समिति की बैठक में नवीन स्वीकृत 3 आंगनबाडी केन्द्रों- खासोली- पंचम,

कोटवाद ताल-द्वितीय व जासासर-तृतीय के भवन के लिए निशुल्क भूमि पट्टा जारी करवाने, आंगनबाडी केन्द्र रामपुरा बास के आगे रास्ते पर गंदा पानी एकत्र होने, आंगनबाडी केन्द्र सहजुसर प्रथम की चार दिवारी गिरने सहित विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया।

ब्लॉक निष्पादन समिति की बैठक में बैठक में आपार आईडी, परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण युवा महोत्सव 2024 ब्लॉक रैंकिंग, ज्ञान संकल्प पोर्टल पर राशि डोनेशन, खेल मैदानों पर हुये अतिक्रमण हटाने, पालनहार, भूमि विहीन व पट्टा विहीन खेल विहीन विद्यालयों, आईएफए टैबलेट, धूम्रपान निषेध, नाकारा सामान, इंस्पायर अवार्ड, वृक्षारोपण, शाला सम्बलन स्मार्ट क्लास रूम व एमडीएम आदि एजेण्डों पर चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि इन सब बिंदुओं को तय समय पर पूरा करें और किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें। बैठक में तहसीलदार अशोक गोरा ने राजकीय विद्यालयों में खेल मेदान, भूमि विहीन, पट्टा विहीन स्थानों को लेकर जानकारी दी। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमदत्त सारण ने शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यों आईडी, पीआरएस पेपर डाउनलोड कार्यों शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसीबीईओ विनय कुमार सोनी ने शिक्षा विभाग में ब्लॉक रैकिंग के विभिन्न बिन्दुओं जैसे अवार्ड एन्ट्री, ज्ञान सकल्प पोर्टल पर विद्यालयों की ओर से राशि डोनेट करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। आरपी श्यामसुन्दर पूनियां ने आईएफए टैबलेट समय पर वितरण व भण्डार का भौतिक सत्यापन व नकारा सामान निस्तारण करवाने के बारे में बताया। इस मौके पर तहसीलदार अशोक गोरा, जेडीवीवीएनएल एक्सईन वीएल सैनी, सीबीईओ ओमदत्त सारण, पीए सुरेश कुमार, नायब तहसीलदार चुन्नीलाल, पीएचडी से प्रेम कुमार, वन विभाग से पवन शर्मा, आयुर्वेद डॉ संजय तंवर, बीसीएमओ डॉ जगदीश भाटी, नगरपालिका रतननगर से रवि रागवानी, समाज कल्याण से रघुवीर सिंह, पीडब्ल्यूडी से चंचल, सांख्यिकी से पुष्पा, प्रोग्रामर राजेन्द्र प्रजापत, सीडीपीओ शिवराज सिंह, एईएन अशोक ढाका, सुपरवाइजर कृष्णा आदि उपस्थित रहे। एसडीएम ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को अपने विभाग की योजनाएं आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए और संपर्क पोर्टल, सीएमओ -पीएमओ प्रकरण, रात्रि चौपाल, जन सुनवाई में प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का समय पर निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही संबंधित विभागों को बजट घोषणाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। एसडीएम ने पीएम सोलर, दिव्यांग उपकरणों के वितरण के शिविर व 27 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होने वाले विमुक्त, घुमंतू व अर्द्ध घुमंतु सहायता शिविर के लिए संबंधित अधिकारियों को इसके सफल आयोजित करवाने के लिए निर्देशित किया।

कर्मचारियों ने सौपा एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

बिजली विभाग में निजीकरण का विरोध

ओपीएस की मांग, दी चेतावनी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)।। प्रदेश में बिजली निगम के निजीकरण का विरोध करने समेत अन्य मांगों को लेकर सोमवार को राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में देवली में निगम कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया और कार्य बहिष्कार कर अपना विरोध जताया। संघर्ष समिति के सदस्य अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार गोयल ने बताया कि प्रदेश में बिजली निगम का अंधाधुंध निजीकरण किया जा रहा है। कर्मचारी इस निजीकरण के पुरजोर विरोध में है। राज्य सरकार ने तापीय बिजली उत्पादन गृहों को निजी हाथों में सौंपने का प्रयास किया है जो राज्य की बिजली आपूर्ति में आत्मनिर्भरता को खतरे में डाल सकता है। वहीं निजीकरण करने से कुशल बेरोजगारों को कम वेतन मिलेगा और उनका शोषण होगा। इसके अलावा किसानों को भी उच्च दर पर बिजली मिलेगी। जिससे बिजली के दाम बढ़ेंगे। ज्ञापन में बताया कि ओपीएस योजना के

संबंध में कर्मचारी को पिछले एक वर्ष योजना का फार्म भराकर सदस्य बनाया गया। लेकिन अभी तक ओपीएस का लाभ नहीं मिल पाया। इसे लेकर कर्मचारियों ने सरदारशहर एसडीएम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम दिव्या चौधरी को ज्ञापन सौपा। कर्मचारियों ने बताया कि बिजली क्षेत्र में सभी प्रकार के निजीकरण पर रोक लगाने, नए कर्मचारियों की भर्ती कर ग्रिड सब स्टेशनों और तापीय बिजली उत्पादन गृह का संचालन निगम कर्मचारियों के जरिए करने, ओपीएस योजना को पूरी तरह से पालन कर ईपीएफ कटौती बंद कर जीपीएफ कटौती चालू करने की मांग की गई। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की और कार्य बहिष्कार किया। बिजली विभाग के कर्मचारी चंद्रप्रकाश लाटा ने बताया कि यह उपखंड स्तर का विरोध प्रदर्शन है। इसके बाद 29 नवंबर को जिला स्तर पर प्रदर्शन और विरोध जताया जाएगा। वहीं उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो लोकतांत्रिक श्रमिक आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस मौके पर ग्रामीण सहायक अभियंता पीयूष कुमार मीणा, भादासर सहायक अभियंता धीरज कुमार विश्नोई, प्रेमनाथ सिद्ध, प्रतीक कुमार, विनोद कुमार, दामोदर माली, नवरत्न श्योराण, नरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार सैनी, उमेश तिवाड़ी, मनोज सैनी, सुनील सहारण, हनुमान पुरोहित, हनुमान प्रजापत, जितेंद्र सिंह, रोहिताश, कालूसिंह, शिवभगवान, चेतन गोस्वामी, पूनम पारीक, प्रताप रणवा, गणेश शर्मा, रविन्द्र सिंह, प्रकाश सिंह, सीपी लाटा, पवन पंवार आदि ने विरोध प्रदर्शन किया।

क्षतिग्रस्त सड़कें दे रही हादसों को न्यौता

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)।। शहर में तारानगर रोड खेमका स्कूल से लेकर चूरू चौपाटी तक रोड का कार्य 2 साल से बंद पड़ा है। यह रोड राजनेताओं के भेंट चढ़ गई है। वार्ड नंबर 57 व 58 के वार्ड वासियों ने बताया कि इस रोड को बनाने के लिए कलेक्टर, पीडब्ल्यूडी को भी ज्ञापन दिया लेकिन किसी ने भी सुनाई नहीं की। खेमका स्कूल से लेकर चूरू चौपाटी तक रोड पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है, लेकिन इस रोड की सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस रोड पर आए दिन हादसे हो रहे हैं लेकिन प्रशासन के कानों तक जूं

तक नहीं रेंग रही है। दोपहर में लगभग 3 बजे एक ट्रक का टायर चेंबर में धस गया। हालांकि बड़ा हादसा टल गया। ट्रक ड्राइवर ने बताया कि ट्रक के आगे के दोनों बेरिंग टूट गए हैं। ट्रक को चेंबर में से निकालने के लिए खुद के खर्चे से क्रेन को बुलाया। ट्रक ड्राइवर का लगभग 5000 रूपए का नुकसान हो गया है। यह रोड तारानगर रोड पर झारिया मोरी से चूरू चौपाटी तक बनाना ते हुई थी। यह रोड पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से बनाई जा रही थी। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से झारिया मोरी से लेकर सिर्फ खेमका स्कूल तक ही बनाई गई। खेमका स्कूल से लेकर चूरू चौपाटी तक आज भी रोड अधूरी है। इस रोड का कार्य 2 साल से बंद पड़ा है। वार्ड वासियों ने पीडब्ल्यूडी विभाग और ठेकेदार के ऊपर मिली भगत का आरोप लगाया है।

विद्युत संघर्ष समिति ने रैली निकाल जताया विरोध

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)।। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति ने सोमवार को तारानगर में विरोध रैली निकाल कर विरोध जताया। विद्युत निगम से रवाना हुई रैली नगरपालिका, रोडवेज बस स्टैंड होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के बाद समिति ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर निजीकरण बंद करने की मांग की। कॉमरेड निर्मल कुमार ने बताया कि विद्युत क्षेत्र में उत्पादन प्रसारण व वितरण में भिन्न भिन्न प्रक्रियाओं व मॉडल के नाम पर किए जा रहे अंधाधुंध निजीकरण पर रोक

लगाई जाए परंतु विद्युत प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने पर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे। अगर यही हाल रहा तो संघर्ष समिति की ओर से आंदोलन को ओर तेज किया जाएगा। इस मौके पर सहायक अभियंता, शशिकांत कुलड़िया कॉमरेड निर्मल प्रजापत, कनिष्ठ अभिनता ओम प्रकाश, अनिता चौधरी, लालचंद, हरिसिंह, बजरंग शर्मा, नरेन्द्र, रामानंद पारीक, सुभाष, महेन्द्र पवन, धर्मेन्द्र सिंह जयप्रकाश, पलवी वर्मा, सुनिता, शंकर कल्ला, महावीर शर्मा आदि मौजूद रहे।

साहित्य गोष्ठी में खूब जमा रंग

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)।। लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री में साहित्य गोष्ठी हुई। सचिव श्यामसुंदर शर्मा ने बताया कि माह के अंतिम रविवार को होने वाली पंडित कुंज विहारी शर्मा समिति साहित्य गोष्ठी के अंतर्गत काव्य कलश कार्यक्रम ओमप्रकाश तंवर की अध्यक्षता व डॉक्टर श्यामसुंदर शर्मा के विशिष्ट सानिध्य में आयोजित हुई। युवा कवि रोहिताश की कविता- तुम चाहो तो रो सकते हो से गोष्ठी का आगाज हुआ। गीता रावत ने- खुशबू सूंघ कर पड़ोसी के घर से कटोरा भर सब्जी ले आते थे... यह फुटपाथ सदियों से गर्मी बरसात चुपचाप सकता है..., मंगल व्यास भारती ने दोहे सुनाएं। दीपक कामिल की गजलों- मुझको मेरे जुनून से फुर्सत कभी तो हो... मनमीत सोनी के दोहे गजलों पहनकर सुबह के कपड़े गजल नहीं आती.., किसी को देखकर कुछ देखने में डूब गया... अब्दुल मन्नान 'मजहर' की गजल- काटना है यह रह गुजर तन्हा... ने खूब समां बांधा। विजयकांत शर्मा की हास्य कविता- हां यह झूठा दिखावा सीखलो... भगवती पारीक कविता- सोचती हूं कैसे हो मेरे देश की बच्ची... वो घर जिससे जुड़ी है खट्टी मीठी यादें... पिंटू शर्मा-सौ जमात उसने पड़ी है मोहब्बत की मुफलिस में है सब सितारे मेरे.... आशीष गौतम 'आशु' की कविताओं- मुस्कुराते हुए चेहरे के पीछे दर्द को पहचाने कौन... जब से मिला हूं उससे बड़ी उलझन में हूं...ने खूब दांद बटोरी। मोहम्मद इदरीश खत्री राज की गजलें- कोशिश तो कर रहे हो मगर एक बावजूद तुमसे यह कमाल दिखाया ना जाए... हम हैं बंधित खुद आने का वादा करें कोई..., जब भी खुलती है मेरी चश्मे हुनर शाम के बाद... संगीतज्ञ डॉक्टर श्याम सुंदर शर्मा ने शास्त्रीय राग पर आधारित रचना- अंदर का गम छुपा ना सकेगा बाहर की मुस्कानों से... तुम्हीं हो तुम्हीं हो तुम्हीं मनमोहन... को खूब सराहना मिली। अध्यक्ष ओमप्रकाश तंवर ने प्रस्तुत रचनाओं पर अपने विचार व्यक्त किया और अपनी रचना सुनाई। कार्यक्रम का संचालन रमेश सोनी एडवोकेट ने किया।

विविध जागरूक अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर। शहर के राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान के निर्देशानुसार महिला नीति कार्यक्रम के अंतर्गत नवंबर माह की गतिविधि में विधिक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता इलियास चायल व मनोज पारीक रहे। कार्यक्रम में बोलते हुए इलियास चायल ने महिलाओं के साथ कार्य स्थल पर यौन शोषण और डोवरी एक्ट व महिलाओं के लिए संपत्ति के अधिकार के कानून के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने डोवरी व स्त्री धन के अंतर को भी समझाया। साथ ही उन्होंने महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ कानून के दुरुपयोग से दूर रहने की भी सलाह दी। प्राचार्य डॉ योगेश चाहर ने छात्राओं को विस्तार पूर्वक जानकारी देने के लिए आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सह आचार्य नवीन कुमार पारीक, लेखाधिकारी गजेंद्र सिंह भाटी, मुकेश चौधरी, रामस्वरूप स्वामी, विक्रम सोनी, अशिता गढ़वाल व सरदारशहर एडीजे कोर्ट के रीडर अशोक पारीक सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास जरूरी : सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों की अकाल मृत्यु हो जाती है और उनके परिवारों में अंधेरा छा जाता है, इसलिए हम सभी को सड़क हादसों की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास करने चाहिए। जिला कलक्टर सोमवार को डीओआईटी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित कर थे। उन्होंने परिवहन, सानिवि और पुलिस सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क हादसों की रोकथाम के लिए सभी को आपस में समन्वय स्थापित कर लोगों की सुरक्षा के लिए समुचित कदम उठाने चाहिए। इस दिशा में आमजन की जागरुकता भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। लोगों को जागरुक करने के लिए

भी अभियान चलाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को जानने के बाद उनके निराकरण की दिशा में प्रयास करें। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल उपचार मिले, इसके लिए व्यापक कोशिश होनी चाहिए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहन राशि दी जाती है, सरकार की इस योजना का समुचित प्रचार-प्रसार किया जाए। सानिवि व सड़क निर्माण से जुड़े सभी अधिकारी नई सड़कों के निर्माण के दौरान तकनीकी पहलुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए। साथ ही आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर, संकेतक और रोड सेफ्टी से जुड़े समस्त इंतजाम करने के लिए कहा। इस दौरान यातायात प्रभारी सुभाष चंद, कमिश्नर अभिलाषा सिंह, सानिवि एक्सईएन बीएल सोनी, एडीपीआर कुमार अजय, रोजगार विभाग की सहायक निदेशक वर्षा जानू, डीटीओ विनोद कुमार, कन्हैयालाल, एनआईसी के पीयूष पाणी आदि मौजूद रहे ।

कुंड में डूबने से एक युवक की मौत

सरदारशहर(निसं.)।। भानीपुरा थाना अंतर्गत गांव लूणासर में पानी की कुंड में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची भानीपुरा पुलिस ने शव को पानी के कुंड से बाहर निकालकर शव को कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के आने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपूर्द कर दिया। भानीपुरा थाने के हेड कांस्टेबल विनोद कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि झुंझुनू जिले के पिलानी गांव के पुरुषोत्तम पुत्र रामेश्वरलाल मेघवाल गांव लूणासर में पशु चिकित्सालय बन रहा हैं वहां पर गांव के अन्य व्यक्तियों के साथ मजदूरी का कार्य करता हैं। गांव लूणासर में ही किराए के मकान पर गांव के व्यक्तियों के साथ रहता था। रविवार को पुरुषोत्तम मेघवाल पानी की कुंड से पानी निकालने गया था। पानी निकालते समय पैर फिसलने के कारण वह पानी की कुंड में डूब गया। कुछ घंटे तक पुरुषोत्तम वापस नहीं आया तो अन्य साथियों ने पुरुषोत्तम देखने के लिए गए तो पुरुषोत्तम घर के पीछे बनी पानी की कुंड में डूबने से उसकी मृत्यु हो गई। सूचना पर भानीपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के शव को कब्जे में लेकर राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में शव को रखवाकर परिजनों के आने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपूर्द कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर भानीपुरा पुलिस ने मर्ग दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

सामुदायिक जागरूकता व जनसहभागिता की ओर से जल अंकेक्षण

जल संरक्षण के उपाय बताए, जल महत्व की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)।। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना की सामुदायिक जागरूकता व जनसहभागिता इकाई की ओर से सोमवार को सेवगों का बास आंगनबाड़ी पर वार्ड 28 में समूह चर्चा कर महिलाओं से अपने घर का जल अंकेक्षण करवाया गया। जिसमें लगभग 17 महिलाओं ने सहभागिता निभाई। आरयुआईडीपी के सहायक सामुदायिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने महिलाओं को परियोजना के तहत शहर में किए जा रहे पेयजल व सीवरेज कार्यों की जानकारी देते हुए महिलाओं को जल की एक-एक बूंद बचाने की जानकारी दी और आने वाले भविष्य के लिए जल संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया। जल की बचत के अनेक छोटे- छोटे घरेलू उपाय भी बताए। इसके बाद पानी की बचत करने के लिए शपथ भी दिलाई गई। महिलाओं को बताया गया की आज पानी नहीं बचाया तो आगे आने वाली पीढ़ी का भविष्य बर्बाद होगा। इस अवसर पर जिन घरों में वैध कनेक्शन नहीं है उनको वैध कनेक्शन

लेने की अपील की गयी। कार्यकर्त्ता मंजू सेन, सीमा बानो, कमला देवी, जारीना, वंदना, फरजाना आदि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। एसओटी अंकित जोशी, पवन, पूजा ने अपनी सहभागिता निभाई।

संक्षिप्त-समाचार

भाई बहन करेंगे तीरंदाजी में प्रतिनिधित्व

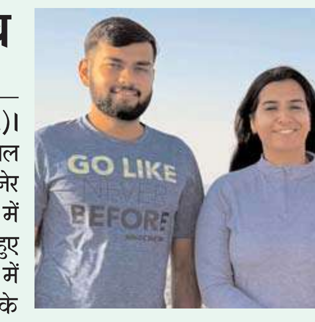

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। सुजानगढ़ के सिद्धार्थ दूधवाल और स्वाति दूधवाल ने बीकानेर में आयोजित हुई चयन ट्रायल में बहुत शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान की सीनियर टीम में जगह बनाई। तीरंदाजी के कंपाउंड इवेंट में पुरुष वर्ग में सिद्धार्थ ने 1440 में से 1405 स्कोर मारकर राजस्थान की सीनियर टीम में जगह बनाई। इसी के साथ स्वाति दूधवाल ने भी 1440 में से 1371 स्कोर मारकर राजस्थान की सीनियर टीम में जगह बनाई। राजस्थान कंपाउंड पुरुष की टीम में सिद्धार्थ दूधवाल, जसमीत सिंह, तेजराज सेन, यशवंत सैनी के नाम शामिल हैं। इसी प्रकार राजस्थान कंपाउंड महिला टीम में स्वाति दूधवाल, सुप्यार कृती स्वामी श्रुति जादौन के नाम शामल हैं। ये टीमें झारखंड के जमशेदपुर (टाटानगर) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगीं, जिसमें सुजानगढ़ के भाई बहन भी शामिल होंगे।

निजीकरण रोकने की मांग, विद्युत कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। विद्युत प्रसारण, उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में किए जा रहे अंधाधुध निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों ने उपखंड अधिकारी के मार्फत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में बताया गया है कि राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से निजीकरण को रोके जाने को लेकर सरकार से लगातार मांग की जा रही है। लेकिन सरकार निजीकरण को नहीं रोक रही है। अतः हमारी मांग है कि जनहित में डिस्कॉम्स के निजीकरण को रोका जावे। वहीं विद्युतकर्मियों ने इससे पहले सहायक अभियंता कार्यालय पर धरना देकर प्रदर्शन किया। उसके बाद सभी पंचायत समिति स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र पहुंचे, जहां पर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शहरी सहायक अभियंता अरूण मीणा, सहायक अभियंता ग्रामीण महेंद्र मीणा, कनिष्ठ अभियंता नवीन मीणा, सहायक राजस्व अधिकरी विजय शर्मा, अशोक शर्मा, राजूसिंह शेखावत, ओमप्रकाश प्रजापत, पंकज शर्मा, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

संविधान विषयक प्रश्नोतरी, स्वयंसेविकाओं ने ली शपथ

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। स्थानीय सोना देवी सेठिया स्नातकोतर कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस के उपलक्ष में प्रश्नोतरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. साधना सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉ. जयश्री सेठिया व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। एनएसएस अधिकारी संजय वर्मा व डॉ. ऋचा उपाध्याय के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने संविधान की शपथ ली। इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान रब्बानी भाटी ने संविधान के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन चंद्रप्रकाश गुर्जर ने किया।

सड़क निर्माण की मांग, ज्ञापन सौंपा

सुजानगढ़ (नि.सं.)। कॉमरेड जगदीश नाथ ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को एक ज्ञापन सौंपकर वार्ड न. 5 में नारायण गोदारा के घर से लेकर लालचंद जानू के घर तक सड़क का निर्माण करवाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड न. 5 में यह सड़क बाकी है और इसके बारे में नगरपरिषद को अवगत करवाने के बावजूद भी सड़क नहीं बनी है। अतः सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से इस सड़क का निर्माण करवाया जाए।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, मंगलवार
26 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त-समाचार

हादसे में एक की मौत, सात घायल

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। उपखंड के नेछवा थाना इलाके में सड़क हादसे का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है तो वही 7 लोग घायल हुए है। तीन वाहनों की भिड़ंत हुई जिसमे एक बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि 7 लोग घायल हुए हैं।पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। थानाधिकारी रामकिशन यादव के अनुसार- हादसा गनेड़ी के आगे पेट्रोल पंप के नजदीक हुआ। एक हैरियर गाड़ी सालासर की तरफ से आ रही थी। बाइक और इको गाड़ी सामने से आ रही थी। तीनों की आपसी टक्कर हुई। जिसमें बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है कि आखिर तीनों वाहनों की भिड़ंत कैसे हुई। घटना में मृतक का नाम रामदेवाराम,उम्र 70 वर्ष बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक रामदेवाराम अपनी बेटी के ससुराल में किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए हुए थे। घटना में जो 7 लोग घायल हुए है उनका इलाज किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना मामले में पीड़ित पक्षों को 13.10 लाख रूपए का अवार्ड पारित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)।। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना मामले में कुल 13.10 लाख रूपये का अवार्ड पारित किया। पीड़ित पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 24 जुलाई 2012 शाम को मेलूसर निवासी महेश पुत्र सुरज्ञानी व सतपाल पुत्र आदुराम चूरू अस्पताल में बीमार को खाना देने के लिए गए हुए थे। रात्रि 11 बजे गैस गोदाम के पास पहुंचे तो राजकुमार उर्फ राजेश मेलूसर निवासी ने अपनी मोटरसाईकल को तेज गति व लापरवाही से चलाकर सतपाल की मोटरसाईकल को टक्कर मारी, जिससे महेश के गम्भीर चोटें आने की वजह से ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। घटना की एफआईआर भालेरी पुलिस थाने मैं दर्ज करवाई। जिस पर अनुसंधान कर मोटरसाईकल चालक राजकुमार उर्फ राजेश के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। मृतक महेश के पिता सुरज्ञानी व माता गीता आदि की ओर से अनवानी सुरज्ञानी आदि बनाम रजनीश आदि क्लेम याचिका पेश्ध की गई, जिसमें न्यायालय एम.ए. सी.टी कोर्ट तारानगर के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा की ओर से सामने वाली मोटरसाईकल के बीमा नहीं होने के कारण अप्रार्थी ड्राईवर मालिक के खिलाफ कुल 13.10 लाख रुपए का अवार्ड पारित किया।

बीमा अभियान के लिए आमजन को करें जागरुक : सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा है कि लोगों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बीमा एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है और हर व्यक्ति तक बीमा को पहुंचाने के लिए 'सबको बीमा अभियान 2047' को लेकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। जिला कलक्टर सुराणा सोमवार को जिला स्तरीय बीमा समिति की पहली मासिक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम प्रतिनिधि से कहा कि वे राजीविका गतिविधियों से जुड़ी दक्ष महिलाओं को बीमा गतिविधियों से जोड़ें। ये महिलाएं सबको बीमा अभियान अंतर्गत महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती हैं। इससे स्वयं इन महिलाओं की आय में भी इजाफा होगा और बीमित व्यक्ति के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। जिला कलक्टर ने इस दौरान विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे जिले में अब तक हो चुके बीमा कार्य की जानकारी प्राप्त करें और फिर वंचितों के बीमा के लिए शिविर लगाकर और अभियान चलाकर प्रयास करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुरू की जा रही 'बीमा सखी योजना' को लेकर अधिक से अधिक जागरूकता फैलाएं। बीमा साक्षरता के लिए जिले के शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रमों का आयोजन करें। रोजगार विभाग के माध्यम से होने वाले शिविरों, मेलों में भी बीमा कम्पनी प्रतिनिधि बीमा से सम्बन्धित जानकारी का प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि समिति की बैठक में सभी बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हों और सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को बीमा का लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यक्रम की समुचित मॉनीटरिंग के लिए वॉटसएप्प ग्रुप बनाने के भी निर्देश प्रदान किए। समिति के सदस्य सचिव राज्य बीमा व प्रावधायी निधि विभाग के सहायक निदेशक भंवर लाल जल ने विभाग से प्राप्त निर्देशों की जानकारी प्रदान की।

26 नवंबर : संविधान दिवस, लोकतंत्र के मूल्यों का पर्व

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। भारत में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन 1949 में भारत का संविधान तैयार कर लिया गया था और इसे औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया। यह दिवस हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझने और संविधान के महत्व को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है।

संविधान की प्रमुख विशेषताएं :

लोकतांत्रिक ढांचा : भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो देश को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में परिभाषित करता है।

मूल अधिकार : यह संविधान प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता, समानता, और अभिव्यक्ति जैसे अधिकार प्रदान करता है।

मूल कर्तव्य : नागरिकों को उनके कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है।

संविधान दिवस का महत्व : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में संविधान दिवस की शुरुआत की थी, जिसे डॉ. भीमराव अंबेडकर को सम्मानित करने और संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू किया गया। यह दिवस हमें हमारे संविधान की प्रस्तावना और उसमें निहित उद्देश्यों को समझने की प्रेरणा देता है। देशभर में इस दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ, संविधान निर्माण प्रक्रिया पर संगोष्ठी और सेमिनार, स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संविधान दिवस हमें याद दिलाता है कि यह दस्तावेज़ केवल एक कानूनी ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के हर नागरिक के अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का मार्गदर्शक है। आइए, इस संविधान दिवस पर हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूत करने का संकल्प लें।

5 वर्ष तक के बच्चों को निमोनिया से बचाने के जिले में चलेगा 'सांस अभियान'

'निमोनिया नहीं, तो बचपन सही'

जिला स्तरीय शुभारंभ 29 को बीडीके अस्पताल में होगा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की ओर से 0 से 5 साल तक के बच्चों में निमोनिया व उससे होने वाली जटिलताओं से जागरूक करने के लिए जिले में सांस अभियान का आयोजन 29 नवंबर से शुरु किया जाएगा। यह अभियान 29 नवंबर से शुरू होकर 28 फरवरी 2025 तक चलेगा। सीएमएचओ डॉ दयानंद सिंह ने बताया कि सांस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों की निमोनिया के लिए स्क्रीनिंग, चिकित्सा अधिकारियों व नर्सिंग अधिकारियों को निमोनिया स्किल लैब प्रशिक्षण, चिकित्सा संस्थानों पर प्रचार सामग्री प्रदर्शन, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, निमोनिया के लक्षणों की पहचान व प्रबंधन के लिए आमुखीकरण किया जाएगा। अभियान की इस वर्ष की थीम 'निमोनिया नहीं, तो बचपन सही' रखी गई है। उन्होंने बताया कि अभियान के मुख्य घटक पीपीटी यानि प्रिवेंट, प्रोटेक्ट व ट्रीट रणनीति को अपनाते हुए पेंटावेलेंट व पीसीवी वैक्सीन के तीनों डोज लगाना सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही पीएचसी, सीएचसी व जिला अस्पतालों में निमोनिया से ग्रसित बच्चों के लिए बेड रिजर्व रखे जा रहे हैं। निमोनिया व गंभीर निमोनिया का प्रोटोकॉल अनुरूप उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही समुदाय स्तर पर आशाओं की ओर से नियमित भ्रमण कर बच्चों में निमोनिया के लक्षणों, खांसी, बलगम, तेज सांस, पसलियां चलना व सांस लेने में परेशानी होना आदि लक्षणों के आधार पर पहचान की जाएगी। साथ ही रैफर भी किया जाएगा। इसके अलावा जिले के चिकित्सा संस्थानों पर निमोनिया संबंधी प्रचार-प्रसार सामग्री का भी वितरण किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ दयानंद सिंह ने बताया कि चिकित्सकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण 28 नवम्बर को सीएमएचओ सभागार में आयोजित किया जाएगा। 29 नवंबर को जिला स्तरीय शुभारंभ बीडीके अस्पताल की शिशु चिकित्सा इकाई में किया जाएगा। इसके साथ ही जिला अस्पताल उप जिला अस्पताल सीएचसी, पीएचसी, यूपीएचसी पर भी शुभारंभ किया जाएगा। डीपीसी डॉ महेश कड़वासरा ने बताया कि चिकित्सा विभाग के आधिकारिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म आईईसी झुंझुनू के फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब एवं एक्स पर निमोनिया से संबंधित जन-जागरुकता संदेशों को भी प्रसारण किया जाएगा।

जाँच में दोषी टांई सोसायटी व्यवस्थापक निलंबित

मण्डावा(निस)।। बहु. प्राथ.ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड टांई के व्यवस्थापक दलीप कुमार की ओर से तथ्य छुपाकर नौकरी हासिल करने व वित्तीय अनियमितता की शिकायत टांई निवासी विकास की ओर से जिला कलेक्टर झुंझुनू की आयोजित जनसुनवाई 20 जून 2004 की गई थी जिसकी जाँच उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झुंझुनू की ओर से की गई थी। उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झुंझुनू ने अपने पत्र 15 जुलाई 2024 के अन्तर्गत दोषी मानते हुए प्रबंधक निदेशक झुंझुनू केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड झुंझुनू को अग्रिम कार्रवाई के लिए लिखा गया था लेकिन प्रबंधक निदेशक ने सोसायटी को अग्रिम कार्यवाही के लिए लिखा। टांई सोसायटी में दोषी व्यवस्थापक का पिता व रिश्ते में चाचा संचालक मंडल में निर्वाचित सदस्य होने की वजह से कोरम के अभाव में सोसायटी की ओर से कोई कार्यवाही नहीं होने पर शिकायतकर्ता की ओर से मुख्यमंत्री व सहकारिता मंत्री को शिकायत करने के बाद व दोषी सिद्ध होने के चार माह बाद भी अधिशाषी अधिकारी झुंझुनू केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड झुंझुनू ने दोषी व्यवस्थापक दलीप कुमार को बर्खास्त न करके निलंबित किया गया है जबकि जांच में दोषी पाया जा चुका हैं। निलंबन काल में मुख्यालय बहू. प्राथ. ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड टांई रखा गया है। प्रबंधक निदेशक झुंझुनू केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड झुंझुनू का कहना है कि उप रजिस्ट्रार की जाँच रिपोर्ट में दोषी सिद्ध होने पर निलंबित किया गया है और सोसायटी का कर्मचारी होने की वजह से निलंबन काल में मुख्यालय टांई सोसायटी ही रखा गया है।

जिला कलक्टर ने घंटेल में डिजिटल सखी 2.0 प्रशिक्षणार्थी महिलाओं से किया संवाद

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को घंटेल ग्राम पंचायत मुख्यालय के आईटी सेंटर में चल रहे डिजिटल सखी 2.0 प्रशिक्षण का अवलोकन कर महिला प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया और मोबाइल से जुड़ी विभिन्न जानकारियों का बेहतर उपयोग अपने जीवन में करने का आह्वान किया। इस मौके पर जिला कलक्टर ने डिजिटल सखी 2.0 प्रशिक्षण में सीखी गई मोबाइल एप्लीकेशन्स के बारे में महिलाओं से पूछताछ की और उनके अनुभव जाने। सुनीता, प्रमिला, सरोज, ममता आदि

प्रशिक्षणार्थी महिलाओं ने बताया कि उन्होंने डॉक्यूमेंट को पीडीएफ में कन्वर्ट करना, कॉन्फ्रेंस कॉल, साइबर सिक्योरिटी, गूगल-पे, फोन-पे से वित्तीय लेन-देन आदि इस प्रशिक्षण में सीखे हैं और इनका उपयोग कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि इससे पूर्व हुए डिजिटल सखी प्रशिक्षण में भी काफी उपयोगी चीजें और कम्प्यूटर चलाना सीखा। राजीविका से जुड़ने के बाद से ही उन्हें सीखने के काफी अवसर मिल रहे हैं। जिला कलक्टर ने इस दौरान महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के जरिए की जा रही गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली और कहा कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपना स्किल विकसित करें और उसका उपयोग अपने परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में करें। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों और सरकारी योजनाओं के बारे में महिलाओं को जानकारी दी और कहा कि ग्रामीण और घरेलू महिलाओं की विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं। हम सभी अपने जीवन में सफलताओं का आसमान छू सकते हैं। जरूरत इस बात की है कि हमारे भीतर कुछ कर गुजरने की चाहत और हौसला हो। इस दौरान राजीविका डीपीएम दुर्गा ढाका ने जिला कलक्टर को डिजिटल सखी 2.0 के जिलेभर में क्रियान्वयन के बारे में बताया।

बीकानेर वेटरनरी यूनिवर्सिटी बोम की बैठक संपन्न

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)।। वेटरनरी विश्वविद्यालय की 29वीं अकादमिक परिषद् की बैठक कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में कुलपति आचार्य दीक्षित ने अकादमिक परिषद के सभी सदस्यों का स्वागत किया। पिछली बैठक के सभी बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए कार्य अनुपालना को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। कुल सचिव बी.एल. सर्वा ने बैठक में एजेंडा प्रस्तुत किया। अकादमी परिषद् के सदस्यों की ओर से विभिन्न एजेंडा का अनुमोदन किया गया। बैठक में अकादमिक परिषद सदस्यों ने वेटरनरी महाविद्यालय, नवानिया, वल्लभ नगर (उदयपुर) के लोगो पर सहमति जारी की। बैठक में स्नातक पाठ्यक्रम बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. तथा डेयरी टेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा आयोजित करने के सुझावों पर चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में डेयरी साइंस एवं डेयरी खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों के नये सत्र से छट्टी डीन कमेटी की सिफारिश के अनुसार लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

– जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने ली बैठक

प्रदूषण पर जिला प्रशासन की गंभीरता का दिखा असर

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर गिरा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)।। हरियाणा पंजाब में पराली जलाने से प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर जिला प्रशासन की गंभीरता से झुंझुनूं में प्रदूषण के स्तर में कमी आई है। सोमवार को झुंझुनूं का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 182 रहा, जो कि तुलनात्मक रूप से काफी कम रहा। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने इस संबंध में सोमवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की। बैठक में एसपी शरद चौधरी ने भी अवैध खनन पर कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में एडीएम अजय कुमार आर्य, एएसपी हेमंत कुमार समेत जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए क्रेशर संचालकों की नियमित जांच करने के निर्देश देते खनन स्थल के आसपास पानी का नियमित छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी मखनलाल जांगिड़ में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनो पर चालान की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अलग-अलग जगहों पर प्रदूषण स्तर जांच करने के निर्देश

बैठक में जिला कलक्टर मीणा ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सुधीर यादव को झुंझुनूं जिले में चिड़ावा, नवलगढ़ समेत 10 अलग-अलग जगहों पर पोर्टेबल डिवाइस के जरिए प्रदूषण जांच करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने खनन स्थल के पास पौधारोपण के भी निर्देश दिए। उन्होंने खनन अभियंता से भी खनन से प्रदूषण पर प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जिला कलक्टर ने ईट भट्टों पर भी प्रदूषण को रोकने की गाईडलाईन की पालना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

इंटरनेशनल केमल फेस्टिवल 9 से 11 जनवरी तक

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। हर साल की तरह इस बार बीकानेर में नौ से 11 जनवरी तक इंटरनेशनल केमल फेस्टिवल का आयोजन होगा। जूनागढ़ में देश के बड़े कलाकारों की कल्चरल नाइट होगी, वहीं पिछले साल की तरह ऊष्ट्र अनुसंधान केंद्र पर ऊंट दौड़ व नृत्य सहित अन्य आयोजन होंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय ऊंट उत्सव से स्थानीय कला और संस्कृति को जोड़ा जाएगा। यहां के पारंपरिक वेशभूषा और खान-पान से जुड़े पक्ष भी इसमें शामिल किए जाएंगे। एडीएम सिटी रमेश देव ने कहा कि बीकानेर के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों को उत्सव के आयोजन में भागीदार बनाया जाएगा।

जिला कलक्टर ने बिजली, पानी, चिकित्सा सहित आवश्यक सेवाओं की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

बेहतर समन्वय व प्रबंधन के साथ आमजन को मिले बेहतरीन सुविधाओं का लाभ : सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में वीसी के जरिए जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर बिजली, पानी, चिकित्सा सहित आवश्यक सेवाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की टीम मुस्तैदी से काम करें। स्वास्थ्य सेवाएं सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। इसके लिए चिकित्सा स्टाफ बेहतर समन्वय व प्रबंधन के साथ आमजन को बेहतरीन सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों से कहा कि अपने क्षेत्र में आने वाले सभी उप जिला व जिला अस्पताल सहित पीएचसी व सीएचसी का निरीक्षण कर सेंटरवाइज मॉनीटर करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके

लिए एएनएम व आशा सहयोगिनी, चिकित्सा स्टाफ के साथ बैठक करें व निर्देशित करते हुए अपेक्षित प्रगति लाएं। उन्होंने सीएमएचओ को टीकाकरण, एएनसी, इम्युनाइजेशन सहित चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं के समुचित प्रबंधन के निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने के लिए ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए अपेक्षित गतिविधियां सपांदित करवाएं। उन्होंने सभी विकास अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण विकास में सेंक्शन किए जाने वाले कार्यों में प्रयास करें कि अधिकतम लोगों को काम मिले और सकारात्मक कार्य हो। प्रोडक्टिव एसेट बनाएं जिससे सुविधाओं का समुचित विस्तार हो व पर्याप्त लाभ आमजन को मिले। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभागों से संबंधित जनसुनवाई प्रकरणों की पेंडेंसी समाप्त करें। प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें और विभागीय कार्यशैली को त्वरित व संतुष्टि स्तर पर विकसित करें। ग्राम पंचायत व ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों को प्राथमिक स्तर पर ही निस्तारित करें। प्राप्त प्रकरणों को देखें और अपनी व्यक्तिगत मॉनीटरिंग के साथ यथाशीघ्र निस्तारित करें। सुराणा ने कहा कि सभी एसडीएम फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अपने विधानसभा क्षेत्र में प्राप्त आवेदनों को समयबद्ध निस्तारित प्राप्त करें। इसी के साथ एसएसआर गतिविधियां समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी व नगर निकाय अधिकारी अपने क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों की जांच करें तथा बिना कन्वर्जन के कॉलोनी विकसित किए जाने पर समुचित कार्यवाही करें। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में समुचित कार्रवाई करते हुए यथाशीघ्र निस्तारण करें। शिकायतों में पेंडेंसी दुरूस्त करें तथा पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में रिजेक्शन व जवाब भिजवाने वाले मामलों में परिवादियों को संतुष्ट करें। सभी अधिकारियों का एवरेज डिस्पोजल टाइम कम करें और सेटिस्फेक्शन परसेंटेज बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर दिसंबर माह में कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है। इन कार्यक्रमों के लिए सभी अधिकारी विस्तृत तैयारी करें तथा वांछित सूचना यथासमय भिजवाएं। ग्राम पंचायत व ब्लॉक स्तर पर आयोजित किए जाने कार्यक्रमों के लिए व्यवस्थाएं देखें। उन्होंने पंच गौरव कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों से कहा कि अपेक्षित कार्यवाही समयबद्ध ढंग से पूर्ण करें। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करें व सफल क्रियान्विति सुनिश्चित करें। उन्होंने सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग उपनिदेशक से कहा कि पालनहार योजना में लाभार्थी बच्चों के जनाधार अपडेशन करवाएं। इसके लिए शिक्षा विभाग का अपेक्षित सहयोग लें। सुराणा ने पीएलपीसी प्रकरणों, सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों, मेडिकल व चिकित्सा सुविधाओं, पीएम सूर्यघर योजना, डीएपी व एसएसपी आपूर्ति व वितरण, एनएफएसए पोर्टल, नवाचार निधि, गारंटी पीरियड में क्षतिग्रस्त सड़कों, दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर, पालनहार योजना में सत्यापन, डिजिटल सखी 2.0 कार्यक्रम सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर समुचित निर्देश दिए।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।